Kamal.Sandesh kamalsandesh.org KamalSandesh

कमल संदेश

वर्ष-17, अंक-24 16-31 दिसंबर, 2022 (पाक्षिक) ₹20

गुजरात में लगातार 7वीं बार
भाजपा की प्रचंड जीत

विधानसभा चुनाव परिणाम 2022

'गुजरात की जनता ने रचा नया इतिहास'

भाजपा मुख्यालय, नई दिल्ली में 8 दिसंबर, 2022 को गुजरात विधानसभा चुनाव में भारी जीत हासिल करने के बाद आयोजित 'भव्य विजय समारोह' में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा मुख्यालय, नई दिल्ली में 05 दिसंबर, 2022 को आयोजित भाजपा राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा मुख्यालय, नई दिल्ली में 06 दिसंबर, 2022 को 'भारत रत्न' बाबासाहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर के 'परिनिर्वाण दिवस' पर श्रद्धांजलि अर्पित करते भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा

कमल संदेश

पाक्षिक पत्रिका

संपादक
प्रभात झा

कार्यकारी संपादक
डॉ. शिव शक्ति बक्सी

सह संपादक
संजीव कुमार सिन्हा
राम नयन सिंह

कला संपादक
विकास सैनी
भोला राय

डिजिटल मीडिया
राजीव कुमार
विपुल शर्मा

सदस्यता एवं वितरण
सतीश कुमार

इ-मेल
mail.kamalsandesh@gmail.com
mail@kamalsandesh.com
फोन: 011-23381428, फैक्स: 011-23387887
वेबसाइट: www.kamalsandesh.org

विषय-सूची

06 गुजरात में लगातार 7वीं बार भाजपा की प्रचंड जीत

गुजरात में 27 वर्षों तक शासन करने के बावजूद भाजपा ने 08 दिसंबर, 2022 को घोषित गुजरात विधानसभा चुनावों में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 182 विधानसभा सीटों में से 156 सीटें जीतकर सातवीं बार सत्ता में वापसी की और 52.5 प्रतिशत मत हासिल किये। इस बार सत्तारूढ़ भाजपा ने 2002 में...

08 जनता का भरोसा भाजपा पर है: नरेन्द्र मोदी

विधानसभा चुनावों और उपचुनावों में पार्टी की शानदार जीत के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी...

10 'यह विकास, सुशासन और लोक कल्याण के प्रति प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता की जीत है'

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आठ दिसंबर...

12 कांग्रेस पार्टी और उसके नेतृत्व को राजस्थान की जनता कभी माफ नहीं करेगी: जगत प्रकाश नड्डा

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने इस अवसर पर उपस्थित विशाल जनसमूह को...

30 संविधान ने राष्ट्र की समस्त सांस्कृतिक और नैतिक भावनाओं को अंगीकार कर लिया है: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 26 नवंबर को सर्वोच्च न्यायालय में संविधान दिवस...

वैचारिकी

सामूहिकता का भाव / **पं. दीनदयाल उपाध्याय** 22

प्रधानमंत्री का ब्लॉग

भारत की जी20 की अध्यक्षता की पारी शुरू 14

श्रद्धांजलि

राजनीति में शुचिता और सुशासन के सूत्रधार थे अटलजी / **तरुण चुघ** 24

अन्य

जी-20 अध्यक्षता पूरे राष्ट्र की है: नरेन्द्र मोदी 15

नवंबर, 2022 के दौरान सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1,45,867 करोड़ रुपए रहा 16

रेलवे ने नवंबर, 2022 तक माल लदान से अर्जित किए 1,05,905 करोड़ रुपये 17

विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत का वृद्धि दर अनुमान बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत किया 18

अब तक रबी फसलों की बुवाई में हुई 15 फीसदी की भारी वृद्धि 19

कमल पुष्प 26

मोदी स्टोरी 27

प्रधानमंत्री ने मणिपुर के 'संगई महोत्सव' को किया संबोधित 28

राज्य सभा में प्रधानमंत्री का संबोधन 29

'मन की बात' 32

प्रकाशक एवं मुद्रक: डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा मुद्रित, डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास के लिए डॉ. नन्दकिशोर गर्ग द्वारा प्रकाशित, एच.टी. मीडिया लिमिटेड, प्लॉट नं.-8, उद्योग विहार, ग्रेटर नोएडा (उ. प्र.)-201306 से मुद्रित एवं डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पी.पी.-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003 से प्रकाशित। सम्पादक- प्रभात झा

सोशल मीडिया से

नरेन्द्र मोदी

भारत की जी20 अध्यक्षता पर सर्वदलीय बैठक सार्थक रही। मैं उन सभी नेताओं को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने बैठक में भाग लिया और अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। यह अध्यक्षता पूरे देश की है और यह हमें अपनी संस्कृति को प्रदर्शित करने का अवसर देगी।

(5 दिसम्बर, 2022)

जगत प्रकाश नड्डा

क्षेत्रीय पार्टी अब एक परिवार की पार्टी बनकर रह गई हैं, इसलिए इनका समाप्त होना भी तय है। भाजपा, भारत की मिट्टी को पहचानते हुए लोगों की आकांक्षाओं से अवगत होकर उन्हें देश के साथ जोड़ते हुए आगे बढ़ रही है।

(09 दिसंबर, 2022)

अमित शाह

गुजरात ने हमेशा इतिहास रचने का काम किया है। पिछले दो दशक में मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा ने गुजरात में विकास के सभी रिकॉर्ड तोड़े और आज गुजरात की जनता ने भाजपा को आशीर्वाद देकर जीत के सभी रिकॉर्ड तोड़ दिये। यह श्री नरेन्द्र मोदी जी के विकास मॉडल में जनता के अटूट विश्वास की जीत है।

(8 दिसम्बर, 2022)

राजनाथ सिंह

गुजरात की इस महाविजय के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, गृहमंत्री श्री अमित शाह, मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल, प्रदेश अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल एवं गुजरात भाजपा के कर्मठ कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई। आपके अथक परिश्रम से भाजपा ने सारे रिकॉर्ड तोड़, एक नया इतिहास रच दिया है।

(8 दिसम्बर, 2022)

बी.एस. येदियुरप्पा

गुजरात में शानदार जीत ने दिखाया कि लोगों ने विपक्षी दलों के प्रचार और राजनीतिक गणनाओं को खारिज कर दिया है। मुझे विश्वास है कि कर्नाटक की जनता भाजपा को आशीर्वाद देगी और आगामी विधानसभा चुनाव में हम फिर से सरकार बनाएंगे।

(8 दिसम्बर, 2022)

बी.एल. संतोष

उपचुनावों में भाजपा ने बिहार के कुढ़नी और यूपी के रामपुर में शानदार जीत दर्ज की है। दोनों अलग-अलग कारणों से खास हैं। मतदाताओं को धन्यवाद। बहुत अच्छा, सार्थक काम करने वाली टोली और भाजपा बिहार एवं उत्तर प्रदेश ईकाई।

(8 दिसम्बर, 2022)

'कमल संदेश' परिवार

की ओर से

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री

भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी

को उनकी जयंती पर

शत शत नमन!

जन्मदिन : 25 दिसंबर

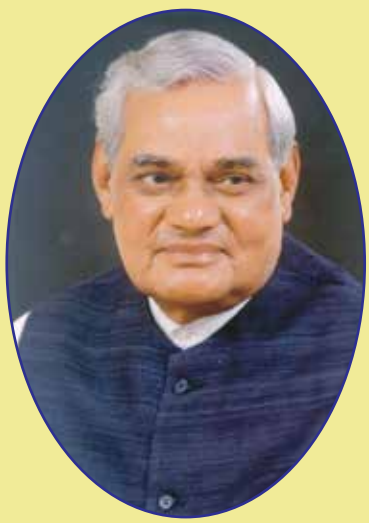

संपादकीय

गुजरात में भाजपा को मिला ऐतिहासिक जनादेश

गुजरात में एक ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व जनादेश देकर प्रदेश की जनता ने एक बार पुनः भाजपा को आशीर्वाद दिया है। विधानसभा चुनावों में प्राप्त सीट तथा मत-प्रतिशत इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि सुशासन, विकास एवं परफॉर्मेंस की राजनीति को जनता का भारी समर्थन प्राप्त है। एक पार्टी जो पिछले 27 वर्षों से निरंतर जनता का आशीर्वाद प्राप्त कर रही है तथा सातवीं बार जब वो जनता के सामने जाती है, तब पूर्व से भी अधिक प्यार पाती है— यह आज के राजनैतिक परिदृश्य में एक चमत्कार सा लगता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का करिश्माई एवं दूरदर्शी नेतृत्व, पिछले 20 वर्षों से अधिक का सुशासन एवं जनसेवा का लंबा कार्यकाल, पहले गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और अब देश के प्रधानमंत्री के रूप में; पूरे विश्व के लोकतंत्र के लिए एक चमकता हुआ उदाहरण है। 'गुजरात मॉडल', जिसने पूरे देश में जनाकांक्षाओं का ज्वार पैदा किया, आज भी लोगों को अपनी निरंतर गतिशीलता तथा नित नए कीर्तिमानों से प्रेरित कर रहा है। गुजरात की जनता का प्रंचड जनादेश; जिसने पूर्व के सारे कीर्तिमानों को तोड़ डाला, एक बार पुनः यह प्रमाणित करता है कि यदि जनसेवा की पूर्ण प्रतिबद्धता से राजनीति हो, तब लोकतंत्र में असंभव को भी संभव किया जा सकता है।

> हाल में हुए विधानसभा चुनावों में 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा में 156 सीट जीतकर भाजपा ने निःसंदेह एक इतिहास गढ़ा है

हाल में हुए विधानसभा चुनावों में 182 सदस्यीय गुजरात विधानसभा में 156 सीट जीतकर भाजपा ने निःसंदेह एक नया इतिहास गढ़ा है। इस विजय के महत्व को इसी बात से समझा जा सकता है कि भाजपा 1995 से प्रदेश में लगातार सरकार बना रही है। वास्तव में, 27 वर्ष एक लंबा समय होता है जब सत्ता-विरोधी लहर जनता के मन-मस्तिष्क पर हावी हो सके, परंतु यह राजनैतिक पंडितों के लिए एक आश्चर्य का विषय है कि इन चुनावों में सत्ता-विरोधी भावनाएं पूरी तरह से नदारद थीं। यह प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी पर जन-जन का विश्वास एवं इनके नेतृत्व पर आस्था के कारण ही संभव हो पाया है। श्री नरेन्द्र मोदी, जिन्होंने 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण किया था, शुरू में गुजरात एवं आज पूरे देश की राजनीति की धुरी बनकर उभरे हैं। जनाकांक्षाओं को समझना, बदलते समय के अनुसार निर्णय कर देश को नई दिशा दिखाना एवं जन-जन की अपेक्षाओं पर खरा उतरना उनके विराट व्यक्तित्व के प्रमुख आयाम हैं। गुजरात के संदर्भ में यदि देखें तो श्री मोदी ने शासन में नवीनता लाया, दीर्घ, मध्यम एवं लघु योजनाओं के ताने-बाने से भविष्य की नींव रखा, सुदृढ़ अवसंरचना जिससे व्यापार, उद्योग, कृषि, उद्यमशीलता को बढ़ावा देते हुए स्वच्छ, जवाबदेह, पारदर्शी, भ्रष्टाचार-मुक्त एवं जनकेंद्रित शासन सुनिश्चित किया, ताकि उच्च विकास दर प्राप्त की जा सके। दूसरी ओर, भाजपा के प्रमुख विपक्षी दल एवं गुटबाजी से त्रस्त कांग्रेस भ्रष्टाचार, परिवारवाद, पॉलिसी पैरालिसिस तथा विभाजनकारी राजनीति की पर्याय बन गई। भाजपा ने देश एवं प्रदेशों में स्वच्छ एवं प्रभावी शासन दिया तथा 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस' के लिए पूरे देश में एक सकारात्मक वातावरण का निर्माण किया।

आज जब विश्व की प्रमुख बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे तेज विकास दर वाली अर्थव्यवस्था बन गया है, देश में कानून-व्यवस्था का राज है, तथा आज यह विश्व की अग्रिम पंक्ति में खड़ा है। इसकी लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं राजनैतिक स्थिरता पूरे विश्व से निवेशकों को आकर्षित कर रही हैं। जहां गुजरात में भाजपा को ऐतिहासिक विजय मिली है, वहीं हिमाचल प्रदेश में भाजपा एवं कांग्रेस के मध्य मात्र 0.9 प्रतिशत मतों का अंतर है। दिल्ली नगर-निगम में भाजपा कार्यकर्ताओं के परिश्रम का परिणाम लगभग बराबरी के चुनावी परिणामों में देखा जा सकता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि देश में भारी जनसमर्थन भाजपा के पक्ष में है तथा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी राष्ट्र की आकांक्षाओं को अपने सबल एवं सुदृढ़ नेतृत्व से नए आयाम दे रहे हैं। 'अमृत काल' में 'पंच प्रण' के संकल्प से आज जब देश आगे बढ़ रहा है, गुजरात देश को एक नए भविष्य का संदेश दे रहा है। ■

shivshaktibakshi@kamalsandesh.org

गुजरात में लगातार 7वीं बार भाजपा की प्रचंड जीत

भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए प्रदेश की 182 सीटों में से 156 सीटों पर जीत दर्ज की। इन चुनावों में विपक्षी दल कांग्रेस को जनता ने नकार दिया तथा इसे 20 से भी कम सीटें मिलीं। वहीं गुजरात की राजनीति में प्रवेश करने वाली आम आदमी पार्टी को पांच सीटें प्राप्त हुईं। भाजपा शासित गुजरात के सभी 33 जिलों के लिए एक और पांच दिसंबर को दो चरणों में मतदान हुआ। इन चुनावों में कुल 70 राजनीतिक दल और 624 निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में थे। 2017 के विधानसभा चुनावों में भाजपा को 99 सीटें तथा कांग्रेस को 77 सीटें मिली थीं, जबकि दो सीटें बीटीपी, एक एनसीपी और तीन निर्दलीय ने जीती थीं

गुजरात में 27 वर्षों तक शासन करने के बावजूद भाजपा ने 08 दिसंबर, 2022 को घोषित गुजरात विधानसभा चुनावों में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 182 विधानसभा सीटों में से 156 सीटें जीतकर सातवीं बार सत्ता में वापसी की और 52.5 प्रतिशत मत हासिल किये। इस बार सत्तारूढ़ भाजपा ने 2002 में मुख्यमंत्री के रूप में श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जीती गई 127 सीटों के अपने पिछले रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया।

प्रदेश में शानदार प्रदर्शन करते हुए भाजपा ने अपने प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस को 17 सीटों के अब तक के सबसे खराब प्रदर्शन तक सीमित कर दिया। वहीं आम आदमी पार्टी के सरकार बनाने के लंबे-चौड़े दावों को खोखला साबित कर उसे केवल पांच सीटों पर संतोष करना पड़ा। कांग्रेस पार्टी को मात्र 27.3 प्रतिशत प्राप्त हुए। यह वही पार्टी है जिसे 1985 में 149 सीटें मिली थीं, आज उसका मत प्रतिशत भाजपा से लगभग आधा है, जबकि आप को 12.9 प्रतिशत मत मिले। इन दोनों दलों का कुल मत प्रतिशत भी भाजपा के मत प्रतिशत से कम है, यह बात ही प्रदेश में भाजपा की विशाल जीत को प्रमाणित करती है।

चुनाव परिणामों के बाद कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, "मैं अभूतपूर्व चुनाव परिणामों को देखकर बहुत अभिभूत हूं। लोगों ने विकास की राजनीति को आशीर्वाद दिया है और साथ ही इच्छा व्यक्त की कि विकास की यह गति ऐसे ही कायम रहे। मैं गुजरात की जनता को नमन करता हूं।"

गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने घाटलोडिया विधानसभा सीट को 1.92 लाख वोटों के अंतर से जीता और उन्हें 83 प्रतिशत से अधिक मत हासिल हुए। श्री पटेल 12 दिसंबर को मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करेंगे। इस शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा सहित अन्य वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

भाजपा को मिले 50 प्रतिशत से अधिक मत

भाजपा की 'भव्य जीत' चुनावी रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रदेश के चुनावों में 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करना एक दुर्लभ

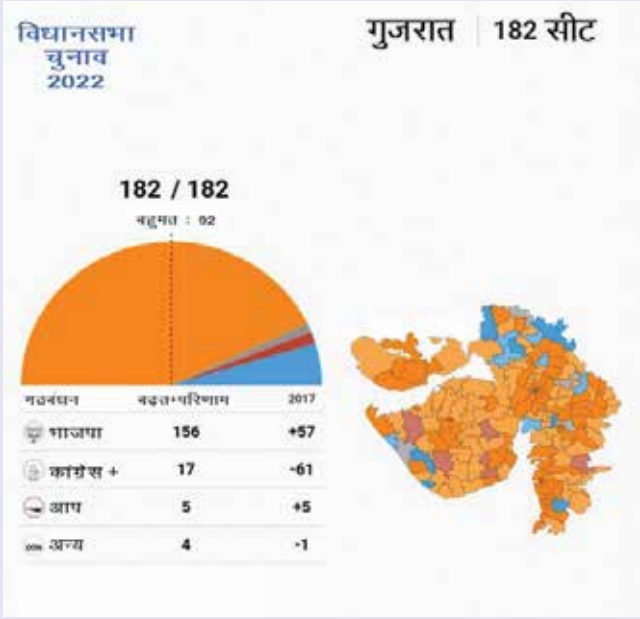

चुनौती है। गुजरात में भाजपा की लगातार सातवीं शानदार जीत ने, जहां प्रदेश में पार्टी की ताकत को कई गुना बढ़ा दिया, वहीं देश में पार्टी की लोकप्रियता में भारी बढ़ोतरी हुई।

परिणामों से पता चलाता है कि भाजपा ने पूरे पाटीदार समुदाय के मतों को फिर से हासिल किया, जो प्रदेश की ग्रामीण, आदिवासी और ओबीसी सीटों का बहुमत है। पार्टी ने प्रदेश में अल्पसंख्यक बहुल सीटों पर भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया। श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में इस बार भाजपा ने प्रदेश में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। साथ ही, इसने कांग्रेस और आप को गुजरात की राजनीति के हाशिए पर ला दिया।

गौरतलब है कि पिछले विधानसभा चुनावों की तुलना में भाजपा के वोट शेयर में काफी सुधार हुआ है। गुजरात में सत्ता-समर्थक लहर विपक्ष के उम्मीदवारों को बहा ले गई, जो प्रदेश के किसी भी हिस्से में भाजपा उम्मीदवारों के जीत के अंतर पर मामूली प्रभाव भी नहीं डाल सके।

कांग्रेस का निराशाजनक प्रदर्शन

यह कांग्रेस के लिए एक दयनीय प्रदर्शन है, जिसने 1985 में माधवसिंह सोलंकी के नेतृत्व में प्रदेश विधानसभा की कुल 182 सीटों में से रिकॉर्ड 149 सीटों पर जीत हासिल की थी। 2017 के पिछले विधानसभा चुनावों में भी कांग्रेस ने 77 सीटें जीती थी और उससे 41.5 प्रतिशत मत हासिल हुए थे, जबकि भाजपा की 99 सीटें थीं और पार्टी को 49.1 प्रतिशत मिले थे। ■

मैं हिमाचल प्रदेश की जनता को स्नेह और समर्थन देने के लिए धन्यवाद देता हूं: प्रधानमंत्री

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में प्रमुख लड़ाई भाजपा और कांग्रेस के बीच रही। प्रदेश में विधानसभा की 68 सीटें हैं और बहुमत का आंकड़ा 35 है। चुनाव आयोग द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार विधानसभा चुनावों में कांग्रेस एक प्रतिशत से भी कम मतों के अंतर के साथ भाजपा से आगे निकल गई।

इन चुनावों में कांग्रेस पार्टी को 40, भाजपा को 25 और निर्दलियों को तीन सीटों पर जीत हासिल हुई। उल्लेखनीय है कि हिमाचल प्रदेश के पिछले लगभग चार दशकों के राजनीतिक इतिहास में किसी भी मौजूदा सरकार को सत्ता में वापसी करने का मौका नहीं मिला है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में पार्टी कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया। दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, "मैं चुनाव आयोग को शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव कराने के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। जहां तक मेरी

हिमाचल प्रदेश परिणाम स्थिति

68 निर्वाचन क्षेत्रों में से 68 की डाटा स्थिति

दल का नाम	विजयी	आगे	कुल
भारतीय जनता पार्टी	25	0	25
निर्दलीय	3	0	3
इंडियन नेशनल कांग्रेस	40	0	40
कुल	68	0	68

जानकारी है, किसी भी मतदान केंद्र पर पुनर्मतदान की आवश्यकता नहीं पड़ी। मैं हिमाचल के मतदाताओं को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। भाजपा और कांग्रेस के मतों में 1 प्रतिशत से भी कम का अंतर था।"

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने आगे कहा, "भाजपा को मिले स्नेह और समर्थन के लिए मैं हिमाचल प्रदेश की जनता का धन्यवाद करता हूं। हम आने वाले समय में प्रदेश की आकांक्षाओं को पूरा करने और लोगों के मुद्दों को उठाने के लिए काम करते रहेंगे।" ■

जनता का भरोसा भाजपा पर है: नरेन्द्र मोदी

विधानसभा चुनावों और उपचुनावों में पार्टी की शानदार जीत के बाद प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आठ दिसंबर, 2022 को नई दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने जनता और भाजपा कार्यकर्ताओं को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि हमारा मत प्रतिशत आने वाले दिनों का स्पष्ट संकेत है।

प्रधानमंत्री ने कहा, "आज का दिन बहुत ही ऐतिहासिक है। मैं जनता जनार्दन के सामने नतमस्तक हूं, ये जनादेश अभिभूत करने वाला है। आदरणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा जी के नेतृत्व में भाजपा के कार्यकर्ताओं ने जो परिश्रम किया है, उसकी खुशबू आज हम चारों तरफ अनुभव कर रहे हैं। गुजरात की जनता, गुजरात के कार्यकर्ता और तमाम कार्यकर्ता जो हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में कार्यरत रहे, उन्हें मैं तहे-दिल से बहुत-बहुत बधाई देता हूं और अभिनंदन करता हूं।"

श्री मोदी ने आगे कहा कि भाजपा के प्रति जनता का प्यार उपचुनावों में भी दिखा। बिहार में कुढ़नी और उत्तर प्रदेश के रामपुर में भी भाजपा जीती है। बिहार के चुनावों में भाजपा का प्रदर्शन आने वाले दिनों में भाजपा की जीत दिखा रहा है।

गुजरात ने तो कमाल ही कर दिया

गुजरात परिणामों पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा गुजरात ने तो कमाल ही कर दिया है। चुनावों के दौरान मैंने गुजरात की जनता से कहा था, इस बार नरेन्द्र का रिकॉर्ड टूटना चाहिए। गुजरात की जनता ने तो रिकॉर्ड तोड़ने में भी रिकॉर्ड कर दिया। जनता ने गुजरात के इतिहास का सबसे प्रचंड जनादेश भाजपा को देकर नया इतिहास रच दिया है। ढाई दशक से लगातार सरकार में रहने के बावजूद ऐसा प्यार अभूतपूर्व है। लोगों ने जाति-वर्ग आदि विभाजन से ऊपर उठकर भाजपा को वोट दिया।

युवाओं ने हमारे काम को जांचा, परखा और उस पर भरोसा किया

इस चुनाव में वोट देने वाले एक करोड़ से भी ज्यादा ऐसे मतदाता थे, जिन्होंने कांग्रेस का कुशासन नहीं देखा, केवल भाजपा की ही सरकार देखी। युवा सवाल पूछना जानते हैं। युवा तभी वोट देते हैं, जब उन्हें भरोसा दिखता है, जब उन्हें काम दिखता है।

युवाओं ने भाजपा को वोट देकर संदेश दिया है कि युवाओं ने हमारे काम को जांचा, परखा और उस पर भरोसा किया। युवा भाजपा की विकास वाली योजनाएं चाहते हैं। युवाओं को न जातिवाद चाहिए, न परिवारवाद। युवाओं का दिल विजन और विकास से ही जीता जा सकता है।

गुजरात के नतीजों ने सिद्ध कर दिया है कि देश के सामने जब कोई चुनौती होती है तो जनता का भरोसा भाजपा पर होता है। देश पर कोई संकट आता है तो जनता का भरोसा भाजपा पर होता है। देश बड़े लक्ष्य तय करता है तब जनता का भरोसा भाजपा पर होता है।

जनता शॉर्ट-कट की राजनीति का नुकसान जानती है

हम सिर्फ घोषणा करने के लिए घोषणा नहीं करते। हमारी हर घोषणा के पीछे एक रोडमैप होता है। देश आज शॉर्टकट नहीं चाहता। देश का मतदाता इतना जागरूक है कि उसे पता है— क्या उसके हित में है और क्या उसके अहित में है। वह शॉर्ट-कट की राजनीति का नुकसान जानता है। आज देश में कोई संशय नहीं कि अगर देश रहेगा, देश समृद्ध होगा तो सबकी समृद्धि तय है।

हमें 'इंडिया फर्स्ट' की भावना के साथ आगे बढ़ना है

समाज के बीच खाई खोदने वालों को जनता देख भी रही है और समझ भी रही है। हमारा भविष्य फॉल्ट लाइन को गिराकर ही उज्ज्वल होगा। लड़ने के लिए सैकड़ों वजह हो सकती हैं, लेकिन जुड़ने के लिए एक वजह काफी है, वह है हमारा भारत। जीने के लिए और मरने के लिए इससे बड़ी वजह और कोई नहीं हो सकती है। इसलिए हमें 'इंडिया फर्स्ट' की भावना के साथ आगे बढ़ना है।

गुजरात में ऐतिहासिक जीत पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जश्न

गुजरात में एससी-एसटी के लिए आरक्षित 40 में से 34 सीटों पर भाजपा को जीत मिली

देश के सभी वर्गों की पहली पसंद आज भाजपा है। हमें गुजरात के आदिवासी क्षेत्रों से भी खूब आशीर्वाद मिला है। एससी-एसटी के लिए आरक्षित 40 में 34 सीटों पर भाजपा को जीत मिली है। आदिवासी भाजपा को अपनी आवाज मान रहे हैं। दशकों तक जिन आदिवासियों केा नजरंदाज किया गया, उनकी उम्मीदों को पूरा करने में हम लगातार जुटे हुए हैं।

देश की नारी शक्ति भाजपा पर विश्वास करती है

अगर कोई ईमानदारी से आत्मचिंतन करे, तो आजादी के बाद से पहली बार आज देश में पहली ऐसी सरकार है जो महिलाओं की समस्याएं और जरूरतें समझने का प्रयास कर रही है और उनके लिए योजनाएं बनाने का काम कर रही है। हर महिला के कल्याण और उनके जीवन के उत्थान के लिए जितना भाजपा की सरकार ने किया है, उतना किसी ने भी नहीं किया। भाजपा के आठ साल के काम अन्य सरकारों के पचास साल के काम से भी ज्यादा है।

हिमाचल को लेकर हमारी प्रतिबद्धता शत-प्रतिशत रहेगी

हिमाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा मैं हिमाचल के हर मतदाता का भी आभारी हूं। हिमाचल के चुनाव में एक प्रतिशत से भी कम अंतर पर हार जीत का फैसला हुआ है। इतना कम अंतर हिमाचल में वर्षों से नहीं देखा गया। भाजपा भले ही हिमाचल में एक प्रतिशत से भी कम वोट के अंतर से पीछे रह गई, लेकिन विकास के लिए हमारी प्रतिबद्धता शत-प्रतिशत रहेगी। हिमाचल से जुड़े हर विषय को हम पूरी मज़बूती से उठाएंगे।

आप में से प्रत्येक एक चैंपियन है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपने गृह राज्य गुजरात में जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया। "सभी मेहनती भाजपा कार्यकर्ताओं को मैं कहना चाहता हूं— आप में से प्रत्येक एक चैंपियन है! यह ऐतिहासिक जीत हमारे कार्यकर्ताओं की असाधारण मेहनत के बिना संभव नहीं थी, जो हमारी पार्टी की असली ताकत हैं।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने भाजपा को मिले स्नेह और समर्थन के लिए हिमाचल प्रदेश के लोगों का भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, "हम आने वाले समय में राज्य की आकांक्षाओं को पूरा करने और लोगों के मुद्दों को उठाने के लिए काम करते रहेंगे।" ■

यह विकास, सुशासन और लोक कल्याण के प्रति प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता की जीत है: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आठ दिसंबर, 2022 को गुजरात विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत का श्रेय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विश्वसनीयता और उनके नेतृत्व में जनता के भरोसे को दिया।

श्री नड्डा ने कहा आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में गुजरात में भारतीय जनता पार्टी ने आजादी के बाद के अब तक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। भाजपा को इस बार के चुनाव में गुजरात में 52.5% वोट और 182 में से 156 सीटें मिली हैं। गुजरात में आज तक किसी भी पार्टी को इतने वोट प्रतिशत और इतनी सीटें नहीं मिल पाई थीं।

कांग्रेस पर हमला करते हुए श्री नड्डा ने कहा कि पिछली बार गुजरात विधानसभा में कांग्रेस का वोट शेयर 41.4 प्रतिशत था, जो इस बार घटकर 27.3 प्रतिशत पर आ गया है। उसकी सीटें भी 77 से घटकर महज 17 रह गई हैं। यह कांग्रेस की गैर-जिमेदाराना विपक्षी संस्कृति और उनकी नकारात्मक और वंशवाद एवं परिवारवाद की राजनीति की हार है।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आगे कहा कि एक और पार्टी यहां चुनाव लड़ने के लिए आई थी। उसका पूरा फोकस गुजरात के अपमान पर केन्द्रित था। उसके नेता कागज लेकर घूमते थे कि गुजरात में उसकी सरकार आ रही है। जो नेता लिख कर दावा करते थे कि आम आदमी पार्टी को इतनी सीटें आएंगी, उनके तमाम बड़े नेता गुजरात में चुनाव हार गए हैं। ये बताता है कि गुजरात की जनता झूठे वादों और मुफ्त की राजनीति करने वालों में विश्वास नहीं रखती।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष कहा कि गुजरात चुनाव में पार्टी की ऐतिहासिक जीत विकास, सुशासन और लोक कल्याण के प्रति प्रधानमंत्री श्री मोदी की प्रतिबद्धता की जीत है। गुजरात ने पिछले दो दशकों में मोदी जी के नेतृत्व में विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं और आज गुजरात के लोगों ने भाजपा को आशीर्वाद दिया है और जीत का नया कीर्तिमान बनाया है। उन्होंने कहा, 'हर तबके ने दिल से भाजपा को आशीर्वाद दिया है। यह भाजपा की नीतियों में लोगों के अटूट विश्वास की जीत है।"

भाजपा कार्यकर्ताओं ने देश भर में गुजरात में मिली भव्य जीत का जश्न मनाया

भाजपा ने इतिहास रचा, सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए: राजनाथ सिंह

रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने गुजरात विधानसभा चुनाव में पार्टी की ऐतिहासिक जीत के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता और उनकी विश्वसनीयता को श्रेय दिया।

उन्होंने प्रदेश में पार्टी के प्रदर्शन के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा, केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह, गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल और पार्टी प्रदेश अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल को भी बधाई दी।

श्री सिंह ने कहा कि इन सभी नेताओं की अथक मेहनत से भाजपा ने सभी रिकॉर्ड तोड़कर इतिहास रचा है।

गुजरात ने भाजपा को दिया आशीर्वाद, तोड़े जीत के सारे रिकॉर्ड: अमित शाह

केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह ने गुजरात विधानसभा चुनाव परिणाम ने खोखले वादों, मुफ्तखोरी और तुष्टीकरण की राजनीति करने वालों को नकार दिया है।

श्री शाह ने कहा कि वह इस ऐतिहासिक जीत पर गुजरात के लोगों को नमन करते हैं और यह "प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकास मॉडल में जनता के अटूट विश्वास" को दर्शाता है। श्री शाह ने कहा, "बीते दो दशकों में मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा ने गुजरात में विकास के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए और आज गुजरात की जनता ने भाजपा को आशीर्वाद देकर जीत के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।"

कार्यकर्ताओं को ऐतिहासिक जीत के लिए धन्यवाद

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस शानदार जीत के लिए कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया और कहा कि गुजरात में भाजपा की आज की जीत स्वतंत्र भारत में किसी भी प्रदेश के लिए सबसे बड़ी जीत है और यह बड़ी जीत मोदी जी की वजह से है। हमें यह जीत 'विकासवाद की राजनीति'— 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के कारण मिला है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कारण ही गरीब से गरीब व्यक्ति सम्मान का जीवन जी रहा है। गरीब को बिजली मिलती है, शिक्षा मिलती है, स्वास्थ्य मिलता है, महिलाओं को सुरक्षा मिलती है, जीवन में आगे बढ़ने का मौका मिलता है। यही कारण हैं कि हमने और गुजरात के जनता ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं।

देश विरोधी तत्वों को गुजरात की जनता ने खारिज किया: भूपेंद्र पटेल

गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि राज्य के लोगों ने विधानसभा चुनाव में देश विरोधी तत्वों को खारिज कर दिया है और एक बार फिर प्रधानमंत्री श्री मोदी और भाजपा नेतृत्व में विश्वास जताया है। गांधीनगर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री पटेल ने कहा, "गुजरात के लोगों ने एक बार फिर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा नेतृत्व में विश्वास जताया है। अगर गुजरात की जनता ने भाजपा को चुना है, तो हमें उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना होगा।"

उन्होंने कहा, "गुजरात के लोगों ने इस चुनाव में राष्ट्र-विरोधी तत्वों को खारिज कर दिया है और राज्य में भाजपा के विकास के ट्रैक रिकॉर्ड को वोट दिया है।"

सभी गुजरात विरोधी ताकतें हार चुकी हैं: सी.आर. पाटिल

गुजरात भाजपा अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल ने आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि इस पार्टी ने गुजरात के लोगों को 'उपहार' की राजनीति के माध्यम से नीचा दिखाने का प्रयास किया। लेकिन आम आदमी पार्टी ने कभी गुजराती अस्मिता के बारे में नहीं सोचा और कभी भी गुजराती लोगों के मानस से नहीं जुड़ पाए, तो, सभी गुजराती विरोधी ताकतें हार गई हैं... कांग्रेस को आत्मनिरीक्षण करना चाहिए कि वह जनता का समर्थन क्यों खो रही है।' ■

'जन आक्रोश यात्रा', जयपुर (राजस्थान)

कांग्रेस पार्टी और उसके नेतृत्व को राजस्थान की जनता कभी माफ नहीं करेगी: जगत प्रकाश नड्डा

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने एक दिसंबर, 2022 को जयपुर के ऐतिहासिक दशहरा मैदान से भाजपा के राज्यव्यापी 'जन आक्रोश यात्रा' का शुभारंभ किया और राजस्थान की जनता से भ्रष्टाचार, कुशासन एवं तुष्टीकरण की पर्याय बन चुकी कांग्रेस की गहलोत सरकार को जड़ से उखाड़ फेंकने का आह्वान किया। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने दशहरा मैदान से 51 'जन आक्रोश रथों' को हरी झंडी दिखा कर 'जन-आक्रोश यात्रा' का शुभारंभ किया। यह यात्रा राजस्थान की सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में निकाली जाएगी। पूरे प्रदेश में लगभग 75,000 से अधिक किमी की यात्रा तय की जाएगी। इस दौरान लगभग 20,000 चौपाल और नुक्कड़ सभाएं और 20,000 स्थानों पर जनसंपर्क भी किया जाएगा। इस अवसर पर श्री नड्डा ने 'जन-आक्रोश' गीत भी लॉन्च किया

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने इस अवसर पर उपस्थित विशाल जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने राजस्थान के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है, जबकि प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने विकास में बाधा उत्पन्न करने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है, जिसके लिए प्रदेश की जनता कांग्रेस पार्टी और उसके नेतृत्व को कभी माफ नहीं करेगी।

अशोक गहलोत सरकार को आड़े हाथों लेते हुए भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार ने कई रिकॉर्ड बनाए हैं। अशोक गहलोत के नेतृत्व में राजस्थान भ्रष्टाचार, महिलाओं के खिलाफ अत्याचार, दलित उत्पीड़न, साइबर क्राइम, महंगे पेट्रोल-डीजल और महंगी बिजली में नंबर एक बन गया है।

श्री नड्डा ने कहा कि राजस्थान में जब से डबल इंजन की सरकार में से इंजन हटा है, तब से राजस्थान का विकास रुक सा गया है। राजस्थान के विकास में रोड़े अटकाने वाले कोई और नहीं, बल्कि यहां के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हैं। इन्हें राजस्थान की जनता की चिंता कम, अपनी और अपनी कुर्सी की चिंता अधिक रहती है।

कांग्रेस पार्टी ने सत्ता में आने से पहले किसानों का कर्ज माफ करने का वादा किया था, जो आज तक पूरा नहीं हुआ। कांग्रेस पार्टी की सरकार को किसानों का 1.20 लाख करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज माफ करना था। राजस्थान की जनता और प्रदेश के किसानों को उन्हें कांग्रेस पार्टी के वादों की याद दिलाना चाहिए।

9,000 किसान अपनी जमीन बेचने को मजबूर

राजस्थान में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनने के बाद से 9,000 से अधिक किसानों को अपनी जमीन बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा। गहलोत सरकार ने राज्य के किसानों को बाजरे पर एमएसपी देने से भी इनकार कर दिया। यह राजस्थान में किसानों के प्रति कांग्रेस सरकार की उदासीनता को दिखाता है।

उन्होंने कहा कि आज राजस्थान के किसानों को सबसे महंगी बिजली और पेट्रोल-डीजल मिल रहा है। अशोक गहलोत सरकार में सांप्रदायिक तनाव चरम पर है। इन सबकी जिम्मेदारी कांग्रेस पार्टी और उसकी सरकार को लेनी होगी।

कांग्रेस सरकार को बेनकाब करेगी भाजपा

श्री नड्डा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी प्रदेश में गहलोत के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को बेनकाब करेगी। भारतीय जनता पार्टी और उसके कार्यकर्ता राजस्थान की जनता की आवाज बनेंगे। हम राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने के अपने मिशन के साथ आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने कुछ नहीं किया है। वह प्रदेश में पिछली वसुंधरा राजे सरकार की योजनाओं और नीतियों के नाम बदलकर चला रही है। यह राजस्थान में कांग्रेस पार्टी और उसकी सरकार की दुःखद सच्चाई है।

जनता कांग्रेस पार्टी को सबक सिखाएगी

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस सरकार ने भामाशाह योजना और अन्नपूर्णा रसोई योजना का नाम बदल दिया है, जो पिछली भारतीय जनता पार्टी सरकार द्वारा शुरू की गई थी। कांग्रेस सरकार के पास लोगों को देने के लिए कुछ नहीं है। वे सिर्फ राजस्थान की जनता को बेवकूफ बना रहे हैं और धोखा दे रहे हैं। श्री नड्डा ने कहा कि राजस्थान की जनता अगले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को सबक सिखाएगी।

श्री नड्डा ने आगे कहा किसानों को और आम उपभोक्ताओं को आज राजस्थान की कांग्रेस सरकार में सबसे अधिक महंगी बिजली मिल रही है। कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार में सांप्रदायिक तनाव भी बढ़े हैं। इसकी जिम्मेवार भी राजस्थान की कांग्रेस सरकार ही है। अगर आप चाहते हैं कि राजस्थान में बहनें सुरक्षित रहें, दलित सुरक्षित रहें, रोजगार के अवसर बढ़े, भ्रष्टाचार समाप्त हो और पेट्रोल-डीजल के दाम कम हो, तो राजस्थान में डबल इंजन वाली सरकार बनानी होगी। मुझे विश्वास है कि राजस्थान की जनता अशोक गहलोत सरकार को मुंहतोड़ जवाब देगी।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने ग्रामीण गौरव पथ योजना, भैरों सिंह शेखावत अंत्योदय स्वरोजगार योजना और मुख्यमंत्री स्वालंबन योजना शुरू की थी, जो जनता के कल्याण के लिए थी, लेकिन राजस्थान में कांग्रेस पार्टी की सरकार ने इन सभी को खत्म कर दिया। अशोक गहलोत सरकार मोदी सरकार की 'जल जीवन मिशन' परियोजना के कार्यान्वयन में भी बाधा उत्पन्न कर रही है, जो पूरे राजस्थान में हर घर में पाइप से पानी उपलब्ध कराएगी।

श्री नड्डा ने कहा कि अगर आप चाहते हैं कि हमारी बहनें और माताएं प्रदेश में सुरक्षित रहें, हमारे दलित भाई सुरक्षित रहें, भ्रष्टाचार खत्म हो और पेट्रोल-डीजल के दाम कम हों, तो राजस्थान की जनता को संगठित होना होगा। भारतीय जनता पार्टी की डबल इंजन सरकार को पुनः लाना होगा। ■

संगठनात्मक नियुक्तियां

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगत प्रकाश नड्डा ने दो दिसंबर, 2022 को कैप्टेन अमरिंदर सिंह (पंजाब), श्री सुनील जाखड़ (पंजाब) और श्री स्वतंत्रदेव सिंह (उत्तर प्रदेश) को भाजपा राष्ट्रीय कार्यसमिति के सदस्य के रूप में नियुक्त किया।

भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष ने श्री मदन कौशिक (उत्तराखंड), श्री विष्णुदेव साय (छत्तीसगढ़), श्री एस. राणा गुरमीत सिंह सोढ़ी (पंजाब), श्री मनोरंजन कालिया (पंजाब) और श्रीमती अमनजोत कौर रामूवालिया (पंजाब) को भाजपा राष्ट्रीय कार्यसमिति में विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में भी नियुक्त किया।

इसके अतिरिक्त श्री जयवीर शेरगिल (पंजाब) को पार्टी का राष्ट्रीय प्रवक्ता भी नियुक्त किया गया। ■

भारत की जी20 की अध्यक्षता की पारी शुरू

जी20 अध्यक्षता के दौरान हम भारत के अनुभव, ज्ञान और प्रारूप को दूसरों के लिए, विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए एक संभावित टेम्प्लेट के रूप में प्रस्तुत करेंगे

- नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

जी20 की पिछली 17 अध्यक्षताओं के दौरान वृहद आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करने, अंतरराष्ट्रीय कराधान को तर्कसंगत बनाने और विभिन्न देशों के सिर से कर्ज के बोझ को कम करने समेत कई महत्वपूर्ण परिणाम सामने आए। हम इन उपलब्धियों से लाभान्वित होंगे तथा यहां से और आगे की ओर बढ़ेंगे।

अब, जबकि भारत ने इस महत्वपूर्ण पद को ग्रहण किया है, मैं अपने आपसे यह पूछता हूं— क्या जी20 अभी भी और आगे बढ़ सकता है? क्या हम समग्र मानवता के कल्याण के लिए मानसिकता में मूलभूत बदलाव को उत्प्रेरित कर सकते हैं?

मेरा विश्वास है कि हम ऐसा कर सकते हैं।

हमारी परिस्थितियां ही हमारी मानसिकता को आकार देती हैं। पूरे इतिहास के दौरान मानवता अभाव में रही। हम सीमित संसाधनों के लिए लड़े, क्योंकि हमारा अस्तित्व दूसरों को उन संसाधनों से वंचित कर देने पर निर्भर था। विभिन्न विचारों, विचारधाराओं और पहचानों के बीच, टकराव और प्रतिस्पर्धा आदर्श बन गए।

दुर्भाग्य से हम आज भी उसी शून्य-योग की मानसिकता में अटके हुए हैं। हम इसे तब देखते हैं जब विभिन्न देश क्षेत्र या संसाधनों के लिए आपस में लड़ते हैं। हम इसे तब देखते हैं जब आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति को हथियार बनाया जाता है। हम इसे तब देखते हैं जब कुछ लोगों द्वारा टीकों की जमाखोरी की जाती है, भले ही अरबों लोग बीमारियों से असुरक्षित हों।

कुछ लोग यह तर्क दे सकते हैं कि टकराव और लालच मानवीय स्वभाव है। मैं इससे असहमत हूं। अगर मनुष्य स्वाभाविक रूप से स्वार्थी है, तो हम सभी में मूलभूत एकात्मता की हिमायत करने वाली इतनी सारी आध्यात्मिक परंपराओं के स्थायी आकर्षण को कैसे समझा जाए?

भारत में प्रचलित ऐसी ही एक परंपरा है जो सभी जीवित प्राणियों और यहां तक कि निर्जीव चीजों को भी एक समान ही पांच मूल तत्वों— पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश के पंचतत्व से बना हुआ मानती है। इन तत्वों का सामंजस्य— हमारे भीतर और हमारे बीच भी— हमारे भौतिक, सामाजिक और पर्यावरणीय कल्याण के लिए आवश्यक है।

भारत की जी20 की अध्यक्षता दुनिया में एकता की इस सार्वभौमिक भावना को बढ़ावा देने की ओर काम करेगी। इसलिए हमारी थीम— 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' है।

ये सिर्फ एक नारा नहीं है। ये मानवीय परिस्थितियों में उन हालिया बदलावों को ध्यान में रखता है, जिनकी सराहना करने में हम सामूहिक रूप से विफल रहे हैं।

आज हमारे पास दुनिया के सभी लोगों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त उत्पादन करने के साधन हैं।

आज, हमें अपने अस्तित्व के लिए लड़ने की जरूरत नहीं है; हमारे युग को युद्ध का युग होने की जरूरत नहीं है। ऐसा बिलकुल नहीं होना चाहिए!

आज हम जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद और महामारी जैसी जिन सबसे बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, उनका समाधान आपस में लड़कर नहीं, बल्कि मिलकर काम करके ही निकाला जा सकता है।

सौभाग्य से आज की जो तकनीक है वह हमें मानवता के व्यापक पैमाने पर समस्याओं का समाधान करने का साधन भी प्रदान करती है। आज हम जिस विशाल वर्चुअल दुनिया में रहते हैं, वह डिजिटल प्रौद्योगिकियों की मापनीयता को प्रदर्शित करती है।

भारत इस सकल विश्व का सूक्ष्म जगत है जहां विश्व की आबादी का छठवां हिस्सा रहता है और जहां भाषाओं, धर्मों, रीति-रिवाजों और विश्वासों की विशाल विविधता है।

सामूहिक निर्णय लेने की सबसे पुरानी ज्ञात परंपराओं वाली सभ्यता होने के नाते भारत दुनिया में लोकतंत्र के मूलभूत डीएनए

में योगदान देता है। लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत की राष्ट्रीय सहमति किसी फरमान से नहीं, बल्कि करोड़ों स्वतंत्र आवाजों को एक सुरीले स्वर में मिलाकर बनाई गई है।

आज, भारत सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। हमारे प्रतिभाशाली युवाओं की रचनात्मक प्रतिभा का पोषण करते हुए हमारा नागरिक-केंद्रित शासन मॉडल एकदम हाशिए पर पड़े नागरिकों का भी ख्याल रखता है।

हमने राष्ट्रीय विकास को ऊपर से नीचे की ओर के शासन की कवायद नहीं, बल्कि एक नागरिक-नेतृत्व वाला 'जन आंदोलन' बनाने की कोशिश की है।

हमने ऐसी डिजिटल जन उपयोगिताएं निर्मित करने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया है जो खुली, समावेशी और अंतर-संचालनीय हैं। इनके कारण सामाजिक सुरक्षा, वित्तीय समावेशन और इलेक्ट्रॉनिक भुगतान जैसे विविध क्षेत्रों में क्रांतिकारी प्रगति हुई है।

इन सभी कारणों से भारत के अनुभव संभावित वैश्विक समाधानों के लिए अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकते हैं।

जी20 अध्यक्षता के दौरान हम भारत के अनुभव, ज्ञान और प्रारूप को दूसरों के लिए, विशेष रूप से विकासशील देशों के लिए एक संभावित टेम्प्लेट के रूप में प्रस्तुत करेंगे।

हमारी जी20 प्राथमिकताओं को; न केवल हमारे जी20 भागीदारों, बल्कि वैश्विक दक्षिण में हमारे साथ-चलने वाले देशों, जिनकी बातें अक्सर अनसुनी कर दी जाती है, के परामर्श से निर्धारित किया जाएगा।

हमारी प्राथमिकताएं; हमारी 'एक पृथ्वी' को संरक्षित करने, हमारे 'एक परिवार' में सद्भाव पैदा करने और हमारे 'एक भविष्य' को आशान्वित करने पर केंद्रित होंगी।

अपने प्लेनेट को पोषित करने के लिए हम भारत की प्रकृति की देखभाल करने की परंपरा के आधार पर स्थायी और पर्यावरण-अनुकूल जीवन शैली को प्रोत्साहित करेंगे।

मानव परिवार के भीतर सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए हम खाद्य, उर्वरक और चिकित्सा उत्पादों की वैश्विक आपूर्ति को गैर-राजनीतिक बनाने की कोशिश करेंगे, ताकि भू-राजनीतिक तनाव मानवीय संकट का कारण न बनें। जैसा हमारे अपने परिवारों में होता है, जिनकी जरूरतें सबसे ज्यादा होती हैं, हमें उनकी चिंता सबसे पहले करनी चाहिए।

हमारी आने वाली पीढ़ियों में उम्मीद जगाने के लिए हम बड़े पैमाने पर विनाश के हथियारों से पैदा होने वाली जोखिमों को कम करने और वैश्विक सुरक्षा बढ़ाने पर सर्वाधिक शक्तिशाली देशों के बीच एक ईमानदार बातचीत को प्रोत्साहन प्रदान करेंगे।

भारत का जी20 एजेंडा समावेशी, महत्वाकांक्षी, कार्रवाई-उन्मुख और निर्णायक होगा।

आइए, हम भारत की जी20 अध्यक्षता को संरक्षण, सद्भाव और उम्मीद की अध्यक्षता बनाने के लिए एकजुट हों।

आइए, हम मानव-केंद्रित वैश्वीकरण के एक नए प्रतिमान को स्वरूप देने के लिए साथ मिलकर काम करें। ■

भारत की जी20 अध्यक्षता पर सर्वदलीय बैठक

जी-20 अध्यक्षता पूरे राष्ट्र की है: नरेन्द्र मोदी

भारत की जी20 अध्यक्षता से जुड़े पहलुओं पर चर्चा करने के लिये पांच दिसंबर को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई। बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने की। बैठक में देशभर के राजनैतिक नेतृत्व ने सक्रिय रूप से हिस्सा लिया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की जी20 अध्यक्षता पूरे राष्ट्र की है तथा यह समस्त विश्व के सामने भारत की क्षमता को प्रदर्शित करने का अनोखा अवसर है। श्री मोदी ने यह भी कहा कि आज भारत के प्रति दुनिया में जिज्ञासा और आकर्षण है, जिससे भारत की जी20 अध्यक्षता की संभावनायें और प्रबल हो जाती हैं।

प्रधानमंत्री ने टीम वर्क की महत्ता पर जोर दिया और जी20 के विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन में सभी नेताओं के सहयोग की आकांक्षा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि जी20 अध्यक्षता एक ऐसा अवसर होगा, जब भारत की छवि पारंपरिक महानगरों से बाहर निकलकर देश के अन्य भागों में परिलक्षित होगी। इस तरह हमारे देश के हर भाग का अनोखापन उजागर होगा।

भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान बड़ी संख्या में भारत आने वाले आगंतुकों का उल्लेख करते हुये श्री मोदी ने उन स्थानों पर पर्यटन को प्रोत्साहित करने तथा स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ाने की क्षमता का उल्लेख किया, जहां जी20 की बैठकें आयोजित की जायेंगी।

प्रधानमंत्री के उद्बोधन के पहले विभिन्न राजनेताओं ने भारत की जी20 अध्यक्षता पर अपने अमूल्य विचार रखे।

गृहमंत्री और वित्तमंत्री ने संक्षेप में अपनी बात रखी। भारत की जी20 अध्यक्षता पर विभिन्न पक्षों को शामिल करते हुये एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण भी पेश किया गया। बैठक में मंत्रीगण श्री राजनाथ सिंह, श्री अमित शाह, श्रीमती निर्मला सीतारमण, डॉ. एस. जयशंकर, श्री पीयूष गोयल, श्री प्रह्लाद जोशी, श्री भूपेन्द्र यादव और पूर्व प्रधानमंत्री श्री एच.डी. देवगौड़ा उपस्थित थे। ■

नवंबर, 2022 के दौरान सकल जीएसटी राजस्व संग्रह 1,45,867 करोड़ रुपए रहा

सकल जीएसटी राजस्व संग्रह में साल-दर-साल 11% की वृद्धि। लगातार नौ महीने जीएसटी राजस्व संग्रह 1.4 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा

केंद्रीय वित्त मंत्रालय द्वारा एक दिसंबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार नवंबर, 2022 के महीने में एकत्र किया गया सकल जीएसटी राजस्व 1,45,867 करोड़ रुपए रहा, जिसमें से सीजीएसटी 25,681 करोड़ रुपए, एसजीएसटी 32,651 करोड़ रुपए, आईजीएसटी 77,103 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्रित 38,635 करोड़ रुपए सहित) और 10,433 करोड़ रुपए (माल के आयात पर एकत्रित 817 करोड़ रुपए सहित) उपकर है।

केंद्र सरकार ने आईजीएसटी से 33,997 करोड़ रुपए सीजीएसटी के लिए और 28,538 करोड़ रुपए एसजीएसटी के लिए तय किए हैं। नवंबर, 2022 के महीने में नियमित निपटान के बाद केंद्र और राज्यों का कुल राजस्व सीजीएसटी के लिए 59,678 करोड़ रुपये और एसजीएसटी के लिए 61,189 करोड़ रुपये है। इसके अलावा, केंद्र ने नवंबर, 2022 में राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को जीएसटी मुआवजे के रूप में 17,000 करोड़ रुपये भी जारी किए थे।

नवंबर, 2022 के महीने का राजस्व पिछले साल इसी महीने में जीएसटी राजस्व से 11% अधिक है। महीने के दौरान माल के आयात से राजस्व 20% अधिक था और घरेलू लेनदेन (सेवाओं के आयात सहित) से राजस्व पिछले वर्ष इसी महीने के दौरान इन स्रोतों से प्राप्त राजस्व से 8% अधिक है। उल्लेखनीय है कि लगातार नौ महीने जीएसटी राजस्व संग्रह 1.4 लाख करोड़ रुपए से अधिक रहा। ■

भारतीय तटरक्षक बल ने उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर एमके-3 के स्क्वाड्रन को सेवा में किया शामिल

भारतीय तटरक्षक बल में चरणबद्ध तरीके से कुल 16 एएलएच एमके-3 हेलीकॉप्टरों को शामिल किया गया है

रक्षा मंत्रालय ने एक दिसंबर को कहा कि भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने चेन्नई में उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर एमके-3 के स्क्वाड्रन को सेवा में शामिल किया है, जिससे सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के सुदूर अपतटीय क्षेत्र में बल की क्षमताओं में काफी वृद्धि होगी।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि 840 स्कवॉड्रन (सीजी) को शामिल किया जाना इस बात का संकेत है कि हेलीकॉप्टर निर्माण के क्षेत्र में देश आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से अग्रसर है और यह प्रयास केंद्र सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना के अनुरूप है।

बयान में कहा गया कि तटरक्षक क्षेत्र पूर्वी, 840 स्क्वॉड्रन (सीजी) को और मजबूत करने के बड़े प्रयास के तहत उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर (एएलएच) एमके-3 स्कवॉड्रन को महानिदेशक वी.एस. पठानिया ने 30 नवंबर, 2022 को आईसीजी वायु स्टेशन, चेन्नई में सेवा में शामिल किया। इसमें कहा गया कि इस स्क्वाड्रन को सेवा शामिल करने से सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के सुदूर अपतटीय क्षेत्र में बल की क्षमताओं में काफी वृद्धि होगी।

बयान के अनुसार, एएलएच एमके-3 हेलीकॉप्टरों को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने निर्मित किया है, जो पूरी तरह स्वदेशी हैं। इनमें उन्नत रडार के साथ इलेक्ट्रो ऑप्टिकल संवेदी यंत्र, शक्ति इंजन, पूरी तरह शीशे का बना कॉकपिट, तेज प्रकाश वाली सर्च लाइट, उन्नत संचार प्रणालियां, स्वचालित पहचान प्रणाली, तलाश व बचाव प्रणालियां लगी हैं।

मंत्रालय के अनुसार, इन उपकरणों और सुविधाओं की सहायता से हेलीकॉप्टर समुद्री टोही गतिविधियों के अलावा काफी दूर तक तलाशी व बचाव कार्य कर सकता है। हेलीकॉप्टर दिन और रात, दोनों समय पोतों से उड़ान भरकर इन गतिविधियों को अंजाम देने में सक्षम है।

बयान में कहा गया कि हेलीकॉप्टर में भारी मशीनगन लगी हुई है और यह पलक झपकते आक्रामक मुद्रा में आ सकता है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, इसमें एक गहन चिकित्सा सुविधा इकाई भी मौजूद है, ताकि गंभीर रूप से बीमार मरीजों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया जा सके।

भारतीय तटरक्षक बल में चरणबद्ध तरीके से कुल 16 एएलएच एमके-3 हेलीकॉप्टरों को शामिल किया गया है। इनमें से चार हेलीकॉप्टरों को चेन्नई में तैनात किया गया है। शामिल होने के बाद से स्कवॉड्रन ने 430 घंटों से अधिक समय की उड़ान भरी है तथा अनेक संचालन अभियानों को पूरा किया है। ■

रेलवे ने नवंबर, 2022 तक माल लदान से अर्जित किए 1,05,905 करोड़ रुपये

पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में माल ढुलाई आय में 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई

रेल मंत्रालय ने एक दिसंबर को कहा कि मिशन मोड के तहत इस वित्त वर्ष के पहले आठ महीनों के लिए भारतीय रेलवे का माल लदान पिछले साल की इसी अवधि के माल लदान और आय, दोनों को पार कर गया।

अप्रैल-नवंबर, 2022 में संचयी आधार पर पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान हुए 903.16 एमटी के माल लदान के मुकाबले 978.72 एमटी का माल लदान हुआ, जो 8 प्रतिशत अधिक है। रेलवे ने पिछले वर्ष के 91,127 करोड़ रुपये की तुलना में 1,05,905 करोड़ रुपये अर्जित किये, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है।

नवंबर, 2021 के 116.96 एमटी के माल लदान की तुलना में नवंबर, 2022 के दौरान 123.9 एमटी का प्रारंभिक माल लदान किया गया। अक्टूबर, 2021 के 12,206 करोड़ रुपये के माल ढुलाई राजस्व की तुलना में 13,560 करोड़ रुपये के माल राजस्व की उपलब्धि हासिल की गई, जिसमें पिछले साल की तुलना में 11 प्रतिशत का सुधार हुआ है।

'हंग्री फॉर कार्गो' मंत्र का पालन करते हुए भारतीय रेलवे ने कारोबार में आसानी के साथ-साथ प्रतिस्पर्धी कीमतों पर सेवा प्रदायगी में सुधार के लिए निरंतर प्रयास किए हैं, जिनके परिणामस्वरूप रेलवे को पारंपरिक और गैर-पारंपरिक वस्तुएं, दोनों क्षेत्रों से माल ढुलाई के नए कार्यादेश मिल रहे हैं। चुस्त नीति द्वारा समर्थित ग्राहक केंद्रित दृष्टिकोण और व्यापार विकास इकाइयों का काम रेलवे को इस ऐतिहासिक उपलब्धि की ओर ले जाने में मदद कर रहा है। ■

रेलवे ने इस साल नवंबर, 2022 तक बनाए 614 इलेक्ट्रिक इंजन

इंजन उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में 25.3 प्रतिशत की वृद्धि

भारतीय रेलवे की उत्पादन इकाइयां यानी चित्तरंजन स्थित चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (सीएलडब्ल्यू), वाराणसी स्थित बनारस लोकोमोटिव वर्क्स (बीएलडब्ल्यू), पटियाला स्थित पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स (पीएलडब्ल्यू) वर्ष 2022-23 में रिकॉर्ड उत्पादन हासिल करने के लिए काफी तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

रेल मंत्रालय द्वारा आठ दिसंबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार वित्त वर्ष 2022-23 में 30 नवंबर तक 614 इलेक्ट्रिक इंजन बनाने के साथ ही भारतीय रेलवे ने पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 25.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। उल्लेखनीय है कि पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में 490 इलेक्ट्रिक इंजन बनाए गए थे। ■

चालू वित्त वर्ष में जीईएम पोर्टल से सार्वजनिक खरीद एक लाख करोड़ रुपये से अधिक

प्रधानमंत्री ने जीईएम प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने वाले लोगों की सराहना की

केंद्र सरकार के पोर्टल जीईएम से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद चालू वित्त वर्ष में 29 नवंबर, 2022 तक एक लाख करोड़ रुपये को पार कर गई। दरअसल, इसकी वजह विभिन्न मंत्रालयों और विभागों की खरीद गतिविधियों में हुई वृद्धि है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 नवंबर को जीईएम प्लेटफॉर्म पर अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए विक्रेताओं की सराहना की। केन्द्रीय मंत्री श्री पीयूष गोयल के एक ट्वीट के उत्तर में प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि शानदार समाचार! जब भारत के उद्यमशीलता के उत्साह को प्रदर्शित करने और पारदर्शिता को आगे बढ़ाने की बात आती है, तो @GeM_India एक गेम चेंजर है।

उन्होंने कहा कि मैं इस मंच पर अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने वाले सभी लोगों की सराहना करता हूं और दूसरों से भी ऐसा करने का आग्रह करता हूं।

गौरतलब है कि केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद के लिए नौ अगस्त, 2016 को गवर्नमेंट ई-मार्केट (जीईएम) पोर्टल शुरू किया गया था। ■

विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए भारत का वृद्धि दर अनुमान बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत किया

वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल घटनाक्रमों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती दिखा रही है तथा भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था रहेगा

विश्व बैंक ने चालू वित्त वर्ष (2022-23) के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर अनुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया। विश्व बैंक ने कहा कि वैश्विक स्तर पर प्रतिकूल घटनाक्रमों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती दिखा रही है।

विश्व बैंक ने छह दिसंबर को जारी भारत से संबंधित अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत बनी हुई है और दूसरी तिमाही के जीडीपी के आंकड़े उम्मीद से बेहतर रहे हैं। इस वजह से पूरे वित्त वर्ष के लिए वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाया जा रहा है।

पिछले वित्त वर्ष (2021-22) में भारत की वृद्धि दर 8.7 प्रतिशत रही थी। चालू वित्त वर्ष की दूसरी जुलाई-सितंबर की तिमाही में अर्थव्यवस्था 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। वहीं, जून तिमाही में जीडीपी की वृद्धि दर 13.5 प्रतिशत रही थी।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुस्ती के बीच यह किसी अंतरराष्ट्रीय एजेंसी का भारत की वृद्धि दर के बारे में पहला अनुमान है। विश्व बैंक की 'तूफान में आगे बढ़ना' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक हालात खराब होने का असर भारत की वृद्धि संभावनाओं पर पड़ेगा। हालांकि, अन्य उभरते बाजारों की तुलना में भारतीय अर्थव्यवस्था वैश्विक झटकों से निपटने के लिए बेहतर स्थिति में है।

इसके साथ ही विश्व बैंक का यह भी मानना है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था रहेगा।

> **2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहेगी। विश्व बैंक ने भरोसा जताया कि सरकार चालू वित्त वर्ष में 6.4 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को हासिल कर लेगी**

विश्व बैंक के भारत में निदेशक तानो कुआमे ने कहा कि बाहरी परिदृश्य खराब

होने के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था जुझारू क्षमता दिखा रही है और वृहद आर्थिक बुनियाद मजबूत होने की वजह से अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत की स्थिति अच्छी है।

रिपोर्ट में कहा गया कि 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहेगी। विश्व बैंक ने यह भी भरोसा जताया कि सरकार चालू वित्त वर्ष में 6.4 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को हासिल कर लेगी।

2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.6 प्रतिशत रहेगी। विश्व बैंक ने भरोसा जताया कि सरकार चालू वित्त वर्ष में 6.4 प्रतिशत के राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को हासिल कर लेगी। ■

भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 11 अरब डॉलर बढ़कर 561.16 अरब डॉलर पर

देश का विदेशी मुद्रा भंडार दो दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान 11.02 अरब डॉलर बढ़कर 561.162 अरब डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नौ दिसंबर को यह जानकारी दी।

विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चौथे सप्ताह तेजी आई है। पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.9 अरब डॉलर बढ़कर 550.14 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। वहीं 11 नवंबर को समाप्त सप्ताह में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 14.72 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी। एक सप्ताह में दूसरी बार सबसे अधिक वृद्धि हुई थी।

विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चौथे सप्ताह तेजी आई है। पिछले सप्ताह देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.9 अरब डॉलर बढ़कर 550.14 अरब डॉलर पर पहुंच गया था। वहीं 11 नवंबर को समाप्त सप्ताह में देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार 14.72 अरब डॉलर की वृद्धि हुई थी। एक सप्ताह में दूसरी बार सबसे अधिक वृद्धि हुई थी

केंद्रीय बैंक ने कहा कि कुल मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा माने जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां (एफसीए) दो दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 9.694 अरब डॉलर बढ़कर 496.984 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

इसके अलावा स्वर्ण भंडार का मूल्य आलोच्य सप्ताह में 1.086 अरब डॉलर बढ़कर 41.025 अरब डॉलर हो गया। ■

अब तक रबी फसलों की बुवाई में हुई 15 फीसदी की भारी वृद्धि

रबी सीजन में रकबे में हुई कुल 68.5 लाख हेक्टेयर की वृद्धि में से 52 लाख हेक्टेयर की वृद्धि गेहूं की फसल में हुई तथा कवरेज में वृद्धि का कारण बड़े पैमाने पर बीज मिनीकिट वितरण, समय पर इनपुट आपूर्ति और तकनीकी सहायता है

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार भारतीय किसानों और कृषि की सहायता करने का हरसंभव प्रयास कर रही है। इन प्रयासों में गुणवत्तापूर्ण बीजों की आपूर्ति, इनपुट, ऋण उपलब्धता, फसल बीमा सुनिश्चित करना आदि शामिल हैं। इसके परिणामस्वरूप इस वर्ष रबी फसलों के रकबे में बड़े पैमाने में वृद्धि हुई।

रबी फसलों की बुवाई की निगरानी से पता चलता है कि 09-12-2022 तक रबी फसलों की बुवाई का रकबा 457.80 से बढ़कर 526,27 लाख हेक्टेयर हो गया है। 68.47 लाख हेक्टेयर का यह अंतर वर्ष 2021-22 की इसी अवधि की तुलना में 15% अधिक है। रकबे में वृद्धि सभी फसलों में हुई है, लेकिन सबसे ज्यादा वृद्धि गेहूं में देखने को मिली है। सभी रबी फसलों के रकबे में हुई 68.47 लाख हेक्टेयर की वृद्धि में से 51.85 लाख हेक्टेयर वृद्धि गेहूं के रकबे में हुई है, जो 203.91 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 255.76 लाख हेक्टेयर हो गया है।

रबी सीजन में गेहूं के बाद तिलहन के रकबे में सबसे अधिक वृद्धि हुई है। तिलहन की खेती का रकबा वर्ष 2021-22 के 87.65 लाख हेक्टेयर से 7.55 लाख हेक्टेयर बढ़कर इस साल 95.19 लाख हेक्टेयर हो गया है। खाद्य तेलों में आयात पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार तिलहन पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

तिलहन के रकबे में हुई 7.55 लाख हेक्टेयर की वृद्धि में से अकेले रेपसीड और सरसों के रकबे में 7.17 लाख हेक्टेयर की वृद्धि हुई। इसका कारण पिछले 2 वर्षों से लागू किया जा रहा विशेष सरसों मिशन है, जिसके तहत रेपसीड और सरसों का रकबा 2019-20 में 68.56 से 17% बढ़कर 2021-22 में 80.58 लाख हेक्टेयर हो गया। रबी 2022-23 के दौरान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन-तिलहन के तहत 18 राज्यों के 301 जिलों में 20 क्विंटल प्रति हेक्टेयर से अधिक उपज क्षमता वाले 26.50 लाख एचवाईवी बीज मिनीकिट किसानों को वितरित किए गए।

दलहन का रकबा 3.30 लाख हेक्टेयर वृद्धि के साथ 123.77 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 127.07 लाख हेक्टेयर हो गया। सभी दालों के रकबे में हुई 3.30 लाख हेक्टेयर की वृद्धि में से 2.14 लाख हेक्टेयर की वृद्धि अकेले चने की फसल में हुई है।

> **रबी सीजन में गेहूं के बाद तिलहन के रकबे में सबसे अधिक वृद्धि हुई है। तिलहन की खेती का रकबा वर्ष 2021-22 के 87.65 लाख हेक्टेयर से 7.55 लाख हेक्टेयर बढ़कर इस साल 95.19 लाख हेक्टेयर हो गया है। खाद्य तेलों में आयात पर निर्भरता कम करने के लिए सरकार तिलहन पर ध्यान केंद्रित कर रही है**

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत एनएफएसएम 'टीएमयू 370' के नाम से विशेष कार्यक्रम शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य अच्छे बीज और तकनीकी हस्तक्षेपों के अभाव के कारण दालों की राज्य औसत से कम उपज वाले जिलों की उत्पादकता बढ़ाना था। जिलों में फसल के फैलाव और उत्पादकता के आधार पर 370 जिलों पर अरहर, मसूर और उड़द (टीएमयू) की खेती के लिए केंद्रित किया गया। खरीफ के दौरान 19.99 लाख क्विंटल और रबी सीजन के दौरान 4.54 लाख क्विंटल के एचवाईवी बीज मिनीकिट किसानों को वितरित किए गए।

मोटे सह पोषक अनाजों की खेती के रकबे में 4.34 लाख हेक्टेयर की वृद्धि देखी गई। वर्ष 2021-22 में 32.05 लाख हेक्टेयर की तुलना में इस वर्ष अब तक का कवरेज 36.39 लाख हेक्टेयर है। यह एक शुभ संकेत है, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र ने 2023 को अंतरराष्ट्रीय मोटा अनाज वर्ष (आईवाईओएम) घोषित करने का प्रस्ताव पारित किया है, जिसकी पेशकश भारत द्वारा खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) को की गई थी। भारत अग्रणी रूप से आईवाईओएम को बड़े पैमाने पर मना रहा है। आईवाईओएम मनाए जाने के कारण मोटे अनाज की मांग में हुई वृद्धि को इसके अधिक उत्पादन की बदौलत पूरा किया जा सकेगा।

'सरकार सभी फसलों की उत्पादकता बढ़ाने पर जोर दे रही है और इसके लिए किसानों को तकनीकी सहायता और महत्वपूर्ण इनपुट के साथ-साथ एचवाईवी बीज मिनीकिट मुफ्त में दिए जाते हैं। उच्च उत्पादकता के साथ रकबे में हुई वृद्धि देश के खाद्यान्न उत्पादन में एक नया मील का पत्थर स्थापित करेगी। अधिक उत्पादन और लाभकारी कीमतों के लिए समर्थन के कारण किसानों की आय में भी वृद्धि होगी। ■

प्रधानमंत्री ने मातृ मृत्यु दर में हुई महत्वपूर्ण कमी की सराहना की

प्रति लाख जीवित जन्मों में मातृ मृत्यु दर 2014-16 के 130 की तुलना में 2018-20 में 97 हो गयी है

प्रति लाख जीवित जन्मों में मातृ मृत्यु दर 2014-16 के 130 की तुलना में 2018-20 में 97 हो गयी है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 30 नवंबर को मातृ मृत्यु दर में हुई इस महत्वपूर्ण कमी की सराहना की। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि महिला सशक्तीकरण से जुड़े सभी आयाम बहुत मजबूत रहे हैं।

श्री मोदी ने केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के एक ट्वीट को रेखांकित करते हुए ट्वीट किया, "एक बहुत ही उत्साहजनक प्रवृत्ति। इस बदलाव को देखकर खुशी हुई। महिला सशक्तीकरण से संबंधित सभी आयामों को आगे बढ़ाने पर हमारा जोर काफी मजबूत रहा है।"

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने इस उपलब्धि पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) को प्रभावी ढंग से कम करने में उल्लेखनीय प्रगति की प्रशंसा की और एक ट्वीट संदेश में कहा, "मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) में महत्वपूर्ण गिरावट आई, प्रति लाख 2014-16 में 130 से घटकर 2018-20 में 97 जीवित प्रसव हो रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण मातृ और प्रसव देखभाल सुनिश्चित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की विभिन्न स्वास्थ्य नीतियों व पहल ने एमएमआर को नीचे लाने में जबरदस्त तरीके से सहायता की है।"

> **नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देश ने एमएमआर में प्रगतिशील तरीके से कमी देखी है। यह 2014-2016 में 130, 2015-17 में 122, 2016-18 में 113, 2017-19 में 103 और 2018-20 में 97 रहा है**

भारत के रजिस्ट्रार जनरल (आरजीआई) द्वारा एमएमआर पर जारी विशेष बुलेटिन के अनुसार भारत में मातृ मृत्यु अनुपात (एमएमआर) में 6 अंकों का शानदार सुधार हुआ है और अब यह प्रति लाख/97 जीवित प्रसव पर है। मातृ मृत्यु दर (एमएमआर) को प्रति 100,000 जीवित प्रसव पर एक निश्चित समय अवधि के दौरान मातृ मृत्यु की संख्या के रूप में परिभाषित किया गया है।

नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार देश ने एमएमआर में प्रगतिशील तरीके से कमी देखी है। यह 2014-2016 में 130, 2015-17 में 122, 2016-18 में 113, 2017-19 में 103 और 2018-20 में 97 रहा है।

इसे प्राप्त करने पर भारत ने 100/लाख से कम जीवित प्रसव के एमएमआर के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (एनएचपी) लक्ष्य को हासिल कर लिया है और 2030 तक 70/लाख जीवित प्रसव से कम एमएमआर के एसडीजी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सही रास्ते पर है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत वर्ष 2014 से भारत ने सुलभ गुणवत्ता वाली मातृ एवं नवजात स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और रोकथाम योग्य मातृ मृत्यु अनुपात को कम करने के लिए एक ठोस प्रयास किया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने विशेष रूप से निर्दिष्ट एमएमआर लक्ष्यों को पूरा करने हेतु मातृ स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के प्रावधान को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण निवेश किया है।

'जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम' और 'जननी सुरक्षा योजना'

'जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम' और 'जननी सुरक्षा योजना' जैसी सरकारी योजनाओं को संशोधित किया गया है और इन्हें सुरक्षित मातृत्व आश्वासन (सुमन) जैसी अधिक सुनिश्चित एवं सम्मानजनक सेवा वितरण योजनाओं में अपग्रेड किया गया है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान (पीएमएसएमए) विशेष रूप से उच्च जोखिम वाले गर्भधारण की पहचान करने और उनके उचित प्रबंधन को सुविधाजनक बनाने पर केंद्रित है। रोकी जा सकने वाली मृत्यु दर को कम करने पर इसका महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ा है। लक्ष्य और मिडवाइफरी पहल सभी गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रसव कराने का विकल्प सुनिश्चित करते हुए एक सम्मानजनक तथा गरिमापूर्ण तरीके से गुणवत्तापूर्ण देखभाल को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करती हैं।

एमएमआर दर को सफलतापूर्वक कम करने में भारत के उत्कृष्ट प्रयास वर्ष 2030 के निर्धारित समय से पहले 70 से कम एमएमआर के एसडीजी लक्ष्य को प्राप्त करने और सम्मानजनक मातृ देखभाल प्रदान करने वाले राष्ट्र के रूप में माने जाने पर एक आशावादी दृष्टिकोण उपलब्ध कराते हैं। ■

विश्व की तीसरी सबसे बड़ी फसल बीमा है 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना'

पिछले छह वर्षों में प्रीमियम के रूप में किसानों ने 25,186 करोड़ रुपये का भुगतान किया, जबकि 31 अक्टूबर, 2022 तक किसानों को उनके दावों के आधार पर 1,25,662 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया

केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा एक दिसंबर को जारी एक बयान के अनुसार 'प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना' विश्व की तीसरी सबसे बड़ी फसल बीमा है और आने वाले वर्षों में वह पहले नंबर पर हो जायेगी, क्योंकि योजना के तहत हर वर्ष लगभग पांच करोड़ किसानों के आवेदन प्राप्त होते हैं।

किसानों के बीच योजना की स्वीकार्यता भी पिछले छह वर्षों में बढ़ गई है। उल्लेखनीय है कि इस क्रम में 2016 में अपनी शुरुआत के बाद से ही योजना में गैर-कर्जदार किसानों, सीमांत किसानों और छोटे किसानों की संख्या में 282 प्रतिशत का इजाफा हुआ है।

पिछले छह वर्षों में प्रीमियम के रूप में किसानों ने 25,186 करोड़ रुपये का भुगतान किया था, जबकि 31 अक्टूबर, 2022 तक किसानों को उनके दावों के आधार पर 1,25,662 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। उल्लेखनीय है कि केंद्र और राज्य सरकारें योजना के तहत अधिकतम प्रीमियम वहन करती हैं।

जिन राज्यों ने योजना को लागू किया है, वे आगे बढ़ रहे हैं और उन राज्यों में रबी 22-23 के तहत किसानों का पंजीकरण भी बढ़ रहा है। ■

विश्व की पहली कोविड इंट्रा-नेसल वैक्सीन को मिली स्वीकृति

इंट्रा-नेसल वैक्सीन को प्राथमिक 2 खुराक कार्यक्रम और सजातीय उचित बूस्टर खुराक के लिए 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के आपातकालीन स्थितियों में प्रतिबंधित उपयोग के अंतर्गत अनुमोदन प्राप्त हो गया

भारत द्वारा कोविड के लिए विकसित विश्व की पहली इंट्रा-नेसल वैक्सीन को 18 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग में आपातकालीन स्थितियों में प्रतिबंधित उपयोग के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन ने अपनी स्वीकृति दी।

यह बात एक दिसंबर को केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार); प्रधानमन्त्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने जैव प्रौद्योगिकी विभाग के स्वायत्त संस्थानों की सोसायटी की बैठक की अध्यक्षता करते हुए कही।

मंत्री महोदय ने भारत बायोटेक इंटरनेशनल लिमिटेड (बीबीआईएल) द्वारा कोविड के लिए विश्व की पहली इंट्रा-नेजल वैक्सीन के विकास में सहयोग के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग और उसके लोक उपक्रम जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद् (बाइरैक- बीआईआरएसी) की भूमिका की सराहना की।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि मिशन कोविड सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत उत्पाद विकास और नैदानिक परीक्षणों को जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार और बाइरैक द्वारा वित्त पोषित किया गया था। इस वैक्सीन को प्राथमिक 2 खुराक कार्यक्रम और सजातीय उचित बूस्टर खुराक के लिए 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के आपातकालीन स्थितियों में प्रतिबंधित उपयोग के अंतर्गत अनुमोदन प्राप्त हो गया है। ■

प्रधानमंत्री ने पीएसएलवी सी54 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर इसरो और एनएसआईएल को दी बधाई

ईओएस-06 उपग्रह समुद्री संसाधनों के उपयोग में सुधार करने में मदद करेगा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 26 नवंबर को पीएसएलवी सी54 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर इसरो और एनएसआईएल को बधाई दी। श्री मोदी ने इस प्रक्षेपण में शामिल सभी कंपनियों को भी बधाई दी।

ट्वीट्स की एक श्रृंखला में प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएसएलवी सी54 मिशन के सफल प्रक्षेपण पर इसरो और एनएसआईएल को बधाई। ईओएस-06 उपग्रह हमारे समुद्री संसाधनों के उपयोग में सुधार करने में मदद करेगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियों @PixxelSpace और @DhruvaSpace के 3 उपग्रहों का प्रक्षेपण एक नए युग की शुरुआत का सूत्रपात करता है, जहां अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारतीय प्रतिभा का पूर्ण सदुपयोग किया जा सकेगा। इस प्रक्षेपण में शामिल सभी कंपनियों और सभी लोगों को बधाई। ■

सामूहिकता का भाव

पं. दीनदयाल उपाध्याय

गतांक से...

अब आज एक सज्जन का मैंने लेख पढ़ा। वह विदेशों में घूम करके आए। बड़े दुःखी हुए, कहने लगे, बड़ी मुश्किल है। क्यों, पूछने पर बोले, 'हिंदुस्तान के बारे में सब जगह यह धारणा हो गई है कि भिखारियों का देश है।' तो मैंने कहा, 'भई, तुमने जाकर कोई भीख मांगी क्या?' बोले कि नहीं, मैंने तो भीख नहीं मांगी, परंतु देश भीख मांग रहा है। अब देश भीख मांगता है तो उसको धक्का लगता है। देश में जब पाकिस्तान के साथ लड़ाई हुई और हमारी सेनाएं आगे बढ़ीं तो कोई अगर अमेरिका के अंदर भी था तो वह भी अपना सीना तानकर चलता था। उसको भी लगता था कि वाह वाह! हमारी जीत हो रही है और आपको भी लगता था यहां पर। हालांकि, मैं समझता हूं कि यहां पर आपमें से न कोई मोरचे पर था और न लड़ाई लड़ी। नारे-वारे जरूर लगाए होंगे थोड़े— बहुत, परंतु बाक़ी कुछ नहीं। परंतु मोरचे पर लड़नेवाले सिपाही के गौरव से अपने आपको गौरवान्वित अनुभव करते थे। इस प्रकार से हमारा गौरव उसके साथ है। राष्ट्र के गौरव में हमारा गौरव है और अलग-अलग इसका विचार किया तो समझ लीजिए कि फिर कभी गौरव होगा नहीं।

आदमी इस सामूहिक चीज़ को भूल जाता है और फिर अकेला-अकेला जब सोचने लगता है तो नुकसान हो जाता है। कभी-कभी ऐसा हो जाता है कि या तो आदमी को समझ में न आए या आदमी को कहीं कुछ कमजोरी नज़र आ जाए तो फिर वह सोचता है कि बाक़ी को छोड़ो, अपने को क्या, इसकी चिंता करो। जब अपनी चिंता करने के लिए आदमी जाएगा तो समझ लीजिए, फिर अव्यवस्था हो जाएगी। जब हम सब सामूहिक रूप से अपना-अपना काम करके राष्ट्र की चिंता करेंगे तो सबकी व्यवस्था हो जाएगी। यह मूलभूत बात है कि हम सामूहिक रूप से विचार करें, व्यक्ति के नाते से नहीं और फिर समाज के नाते से विचार करने के बाद ही उसके लिए हमने जो कुछ किया, उस समाज के काम को पूरा करने के लिए किया। हमने जो कुछ किया, उसी में हमारी बहादुरी, उसी में हमारा गौरव और वास्तव में हमारा व्यक्तिगत बड़प्पन भी उसी में है। उसके अतिरिक्त नहीं।

उसके लिए अगर हमने जीवन लगाया, तो हमारा बड़प्पन। वैसे तो आख़िर को शरीर तो नश्वर है, हरेक का शरीर जाता है, परंतु भगतसिंह को सब लोग याद करते हैं, हकीकत राय को याद करते हैं, गुरुतेग बहादुर को याद करते हैं। आज बलिदानी महापुरुषों को याद करते हैं, क्यों? उनका तो शरीर गया। शरीर की रक्षा करनी हरेक चाहता है, किंतु फिर भी उन्होंने अपना शरीर गंवा दिया। उनके बलिदान को कोई आत्महत्या नहीं कहता। सभी कहते हैं कि भाई, उन्होंने बलिदान किया। इसलिए कोई कहे कि क्या उन्होंने आत्महत्या कर ली? आत्महत्या और बलिदान इसमें अगर अंतर है तो इतना ही कि जब शरीर देश के लिए दिया जाए, समाज के काम में लगाया जाए, राष्ट्र के लिए लगाया जाए, तो वह बलिदान है और उसको लोग याद करते हैं। उससे देश ऊपर उठता है। उससे समाज को ताकत मिलती है और इसके विपरीत अगर कोई भी काम किया जाए तो वह फिर समाज के लिए घातक हो जाता है। वह फिर नुकसान की चीत होती है। तो समाज का विचार, यह सदैव करके काम करना चाहिए। यह एक मूलभूत बात है।

हमारा आर्थिक विकास, हमारा राष्ट्रीय विकास, हमारा नैतिक विकास, हमारा आध्यात्मिक विकास सबका सब समाज के साथ जुड़ा हुआ है, यानी आध्यात्मिक विकास भी कोई अपना जो है, हिमालय की गुफाओं में जाकर के योगाभ्यास कर ले और सोचें कि उसे मुक्ति मिल जाएगी, तो नहीं मिल सकती। अगर किसी को योगाभ्यास करना है तो योगाभ्यास कर ले, परंतु योगाभ्यास के द्वारा जो उसको सिद्धि प्राप्त हुई है, उस सिद्धि से अगर वह समाज को ऊंचा नहीं उठा सकता तो उसको मुक्ति नहीं मिल सकती। मुक्ति के विषय में अपने यहां पर कुछ लोगों की ग़लत धारणा हो गई कि मुक्ति कोई

व्यक्तिगत चीज है। व्यक्तिगत मुक्ति नाम की कोई चीज नहीं। मुक्ति जो है, यह भी सामाजिक है, समष्टिगत है और उसी में से जब समाज मुक्त होगा, समाज ऊंचा उठेगा तो फिर व्यक्ति भी ऊंचा उठेगा, उसे मुक्ति मिलेगी।

समाज का काम करनेवाला ही सर्वोपरि है। केवल जिन्होंने अपना यानी समाज का काम छोड़ दिया, उन्होंने तो धर्म छोड़ दिया। लोकमान्य तिलक ने जो 'गीता रहस्य में एक जगह लिखा, उन्होंने बताया शास्त्रों का पुराना श्लोक, सुभाषित उन्होंने उसमें दिया—

अपहाय वियज कर्म कृष्ण कृष्यति प्रतिवादिनाम्।
तेदामाः धर्म विनाश का धर्माधर्म जन्मपद धारय।।

अर्थात् जो अपना धर्म छोड़ करके और जो कृष्ण-कृष्ण चिल्लाते रहते हैं, वे धर्म का विनाश करनेवाले हैं और उसका कारण बताया कि स्वयं कृष्ण समाज का काम करनेवाला है। भगवान् ने धर्म की रक्षा करने के लिए, काम करने के लिए जन्म लिया। अगर केवल नाम स्मरण से सब कुछ हो जाता तो भगवान् जन्म काहे को लेते, उनको जन्म लेने की आवश्यकता क्यों पड़ी? क्यों जन्म लिया तो धर्म की रक्षा करने के लिए। भगवान् के जितने भी अवतार हुए, किसी अवतार का यह वर्णन नहीं आता कि उन्होंने जाकर किसी गुह्य में बैठकर योगाभ्यास किया हो। भगवान् कृष्ण ने तो जीवन भर काम किया उन्होंने कर्म किया और संपूर्ण समाज को अपने सामने रखकर काम किया। यह उनके जीवन की विशेषता है।

व्यक्तिगत मुक्ति नाम की कोई चीज नहीं। मुक्ति जो है, यह भी सामाजिक है, समष्टिगत है और उसी में से जब समाज मुक्त होगा, समाज ऊंचा उठेगा तो फिर व्यक्ति भी ऊंचा उठेगा, उसे मुक्ति मिलेगी। समाज का काम करनेवाला ही सर्वोपरि है

समाज के लिए काम भगवान् का काम है और केवल अपने लिए काम वास्तव में यह शैतान का काम है। तो भगवान् की भक्ति अगर कोई है, तो वह है राष्ट्र की भक्ति यानी समाज की भक्ति यही भगवान् का काम है। इसी में से व्यक्तिगत महत्ता प्राप्त होती है, व्यक्ति ऊंचा होता है। हमारा नाम हमारा सम्मान, हमारी सब चीजें इसमें अंतर्निहित हैं। महाभारत के युद्ध को देखें, तो एक बार उसमें बड़े मजे की चीज़ आई है। लोगों के सामने समस्या भी आकर खड़ी हो जाती है तो वहां पर यह कहा है कि धर्ममय बनो और कहा कि जहां धर्म है, वहीं जीत होती है। अब जीत किसकी हुई? तो पांडवों के साथ धर्म था, इसमें तो कोई दो मत नहीं हो सकते, क्योंकि पांडवों की जीत हुई, पर फिर एक बार सवाल आया और ऐसे ही पूछा कि भाई, ऐसी बात है कि पांडवों और कौरवों की जो लड़ाई हुई तो उस लड़ाई में कौरव पक्ष का ऐसा एक भी योद्धा नहीं है, जिसको किसी-न-किसी चालाकी से न मारा गया हो, हरेक को चालाकी से मारा गया। आप जानते हैं, भीष्म की मृत्यु कैसे हुई, शिखंडी को खड़ा करके; उसके पीछे से अर्जुन ने बाण चलाए और भीष्म ने अपने हथियार डाल दिए, तब जा करके भीष्म पितामह युद्ध से आहत होकर के शर-शय्या पर लेट गए। द्रोणाचार्य को मृत्यु कैसे हुई? युधिष्ठिर जैसे व्यक्ति ने झूठ बोला और कहा, 'अश्वत्थामा हतो वा नरो व कुञ्जरो' यानी अश्वत्थामा मारा गया। यह घोषणा कर दी तो बेचारे द्रोणाचार्य अपने पुत्र के शोक में व्याकुल होकर के युद्ध से विरक्त हो गए और तभी द्रोणाचार्य मारे गए। कर्ण मारा गया, जब उसके रथ का पहिया धंस गया था, उसको कर्ण निकालने लगा था। उसके ऊपर बाण चलाया गया। यहां कर्ण का वध हुआ। इसी तरह दुर्योधन भी मारा गया। दुर्योधन, जब गदा युद्ध हो रहा था, तब युद्ध के नियम के प्रतिकूल दुर्योधन की जंघा पर भीम के वार करने से मारा गया। नियम ऐसा है कि 'बिलो दि बेल्ट' प्रहार नहीं करना। यह नियम अपने यहां भी पुराना है। जंघा के ऊपर वार करना चाहिए, पर भीम ने जंघा पर ही वार किया और भगवान् कृष्ण ने उसको इशारा करके बताया कि जंघा पर वार करो। इस वार के कारण दुर्योधन मर गया। अब सवाल पैदा होता है कि यह तो सब छलछद्म है। पांडवों ने सब छलछद्म किया ही क्यों? युधिष्ठिर का झूठ बोलना धर्म है। वह जो जयद्रथ का वध किया और सारे आकाश में सूर्य छिप गया बादलों में। जयद्रथ को लगा कि सूर्य छिप गया है। वह बेचारा बाहर आया और बाद में वास्तव में सूर्य छिपा नहीं था, एकदम से फिर वह आया और उसके बाद जयद्रथ का वध कर दिया। यह कोई धर्म है? गदायुद्ध में जंघा पर वार करना कोई धर्म है? शिखंडी के पीछे खड़े होकर अर्जुन जैसा महारथी भीष्म के ऊपर बाण चलाए, यह धर्म है? लगता है कि यह तो सब अधर्म है।

यह अधर्म होने के बाद की जीत है और फिर भी हम कहते हैं—'यतो धर्मस्ततो 'जयः।' ऐसा लगता है कि महाभारतकार ने भी सबसे बड़ा धोखा दिया है। धर्म के नाम पर अधर्म के प्रचार का प्रयास किया है या फिर कहने में कहीं गलती की है। जो विचार करें, एक बात पता लगेगी और वह यह कि कौरव पक्ष और पांडव पक्ष में अगर कोई बात एक थी तो वह यह कि कौरव पक्ष का हर व्यक्ति व्यक्तिवादी था, समष्टिवादी नहीं था। समाज का विचार करने के लिए तैयार नहीं था। वहां पर भीष्म पितामह इतने बड़े थे, परंतु 'मैं'—मैंने प्रतिज्ञा की है कि शिखंडी के आने के बाद मैं बाण नहीं चलाऊंगा। और भाई, आप सेनापति हो, भीष्म पितामह की प्रतिज्ञा का महत्त्व है कि सेनापति के कर्तव्य का? दूसरी तरफ अर्जुन भी तो कह सकता था कि दुनिया में कोई मुझे क्या कहेगा? अर्जुन जैसा गांडीवधारी और वह शिखंडी की ओट में बाण चलाए, यह क्या अर्जुन के लिए शोभा देगा? अर्जुन के नाम पर कलंक है। परंतु कोई चिंता की बात नहीं है। अर्जुन ने समाज का, समष्टि का पूरे अपने पक्ष का विचार किया और भीष्म पितामह ने 'मैं' का विचार किया। उनके सामने व्यक्तिगत प्रतिज्ञा का महत्त्व था। ■

क्रमशः...

-शीत शिविर वर्ग, बौद्धिक वर्गः फरवरी 4, 1968

राजनीति में शुचिता और सुशासन के सूत्रधार थे अटलजी

तरुण चुघ
राष्ट्रीय महामंत्री, भाजपा

व्यक्तिगत जीवन में ईमानदारी, व्यवहार में शालीनता, स्वभाव में सादगी और सौम्यता का संगम यदि कहीं एक ही व्यक्ति में खोजना हो, तो वह 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी के व्यक्तित्व में मिलता है। राजनीति में शुचिता, सरकार में सुशासन और संसद में सर्वमान्य सांसद के साथ ही संवेदनशील साहित्यकार, महान राष्ट्रभक्त और अजातशत्रु पूर्व प्रधानमन्त्री 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी जी का व्यक्तित्व हिमालय के समान विराट था। अटल जी ने देश के लोगों के जीवन में अपने विचारों का जो प्रभाव डाला, वह सदा-सर्वदा स्मरणीय बना रहेगा। यशस्वी प्रधानमंत्री के रूप में देश के आर्थिक विकास और लोगों के सामाजिक कल्याण के लिए उनका किया हुआ योगदान 21वीं सदी के भारत को राह दिखाने वाला रहा। अपने अटल कृतित्व और विशाल व्यक्तित्व के साथ किया गया महान कार्य हमेशा राष्ट्र के बीच अमर रहेगा। 'भारत रत्न' अटल बिहारी वाजपेयी सच्चे मायने में भारत के रत्न थे। उन्होंने जमीन से जुड़े रहकर राजनीति की और लोगों के दिलों में अपनी जगह बनाई थी। आज उनके विचार और देश के विकास की प्रवाह को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीजी निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं।

भारत की राजनीति में मूल्यों और आदर्शों को स्थापित करने वाले राजनेता और प्रधानमंत्री के रूप में किये कार्यों की बदौलत ही अटल बिहारी वाजपेयी को भारत के विकास का दूरद्रष्टा कहा गया है। बात चाहे समर्थकों में समर्पण भाव पैदा करने का हो, चाहे विरोधियों का दिल जीतने की, बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी अटल बिहारी वाजपेयी दोनों में अव्वल थे। उनका सार्वजनिक जीवन बहुत ही बेदाग और साफ सुथरा था। इसी छवि और साफ सुथरे सार्वजनिक जीवन की वजह से अटल बिहारी वाजपेयी जी का हर कोई सम्मान करता था। तभी तो उनके विरोधी भी उनके प्रशंसक थे। अटल जी के लिए राष्ट्रहित सदा सर्वोपरि रहा। अटल बिहारी वाजपेयी जी जब भी संसद में अपनी बात रखते थे, तो उनके विरोधी भी उनकी तर्कपूर्ण वाणी के आगे कुछ नहीं बोल पाता थे। वहीं एक कवि के रूप में अपनी कविताओं के जरिए अटल जी हमेशा सामाजिक बुराइयों पर प्रहार करते रहे।

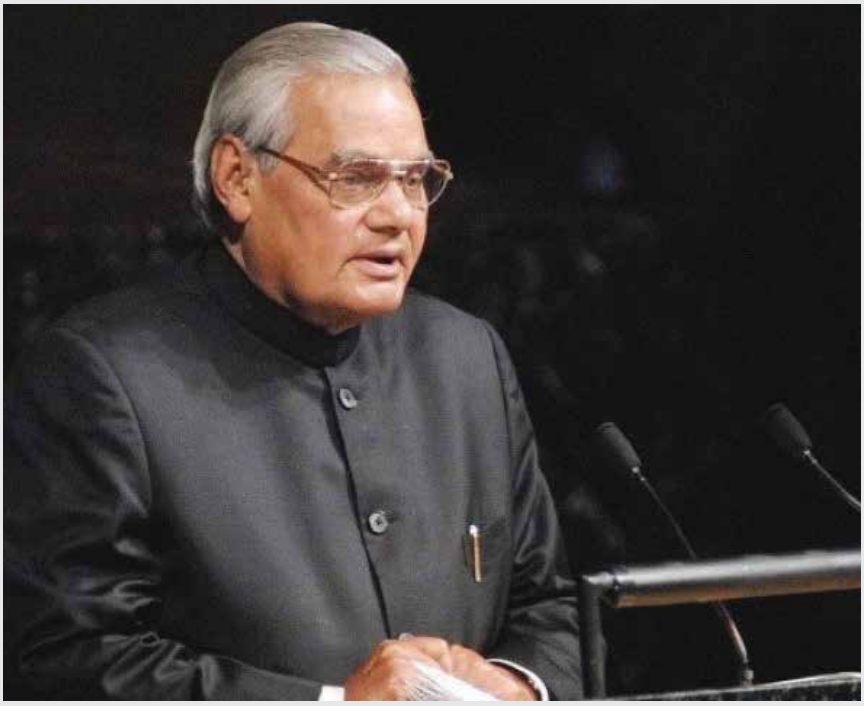

भारत की राजनीति में मूल्यों और आदर्शों को स्थापित करने वाले राजनेता और प्रधानमंत्री के रूप में किये कार्यों की बदौलत ही अटल बिहारी वाजपेयी को भारत के विकास का दूरद्रष्टा कहा गया है। बात चाहे समर्थकों में समर्पण भाव पैदा करने का हो, चाहे विरोधियों का दिल जीतने की, बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी अटल बिहारी वाजपेयी दोनों में अव्वल थे। उनका सार्वजनिक जीवन बहुत ही बेदाग और साफ सुथरा था

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक से लेकर प्रधानमंत्री तक का सफर तय करने वाले 'युग पुरुष' अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्म ग्वालियर में बड़े दिन के अवसर पर 25 दिसम्बर 1924 को हुआ था। अटल बिहारी वाजपेयी जी की बीए की शिक्षा ग्वालियर के वर्तमान में लक्ष्मीबाई कालेज के नाम से जाने वाले विक्टोरिया कालेज में हुई। ग्वालियर के विक्टोरिया कालेज से स्नातक करने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने कानपुर के डीएवी महाविद्यालय से कला में स्नातकोत्तर उपाधि भी प्रथम श्रेणी में प्राप्त की। एक प्रखर वक्ता और कवि के गुण उन्हें उनके पिता से मिले। छात्र जीवन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक बने। अपने जीवन में पत्रकार के रूप में भी काम किया और लम्बे समय तक राष्ट्रधर्म, पांचजन्य और वीर अर्जुन आदि राष्ट्रीय भावना से ओत-प्रोत अनेक पत्र-पत्रिकाओं का सम्पादन भी किया। अटल बिहारी वाजपेयी जी भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य थे और उन्होंने लंबे समय तक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जैसे प्रखर राष्ट्रवादी नेताओं के साथ काम किया।

अटल बिहारी वाजपेयी सन् 1968 से 1973 तक भारतीय जनसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे। 1957 के लोकसभा चुनावों में पहली बार उत्तर प्रदेश की बलरामपुर लोकसभा सीट से जनसंघ के प्रत्याशी के रूप में विजयी होकर लोकसभा में पहुंचे। 1957 से 1977 तक जनसंघ संसदीय दल के नेता रहे अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने ओजस्वी भाषणों से प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू तक को प्रभावित किया।

अटल बिहारी वाजपेयी का व्यक्तित्व बहुत ही मिलनसार था। 1975 में इंदिरा गांधी द्वारा आपातकाल लगाने का अटल बिहारी वाजपेयी ने खुलकर विरोध किया था। 1977 के लोकसभा चुनाव के बाद देश में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार मोरारजी देसाई के नेतृत्व में जनता पार्टी की सरकार बनी, जिसमें अटलजी को विदेश मंत्री बनाया गया। बतौर विदेशमंत्री उन्होंने पूरे विश्व में भारत की छवि बनाई। विदेश मंत्री के रूप में संयुक्त राष्ट्र में हिंदी में भाषण देने वाले देश के पहले वक्ता बने।

आज उनकी जयंती पर उनकी पंक्तियों को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं—

"बढ़ते जाते देखो हम बढ़ते ही जाते॥
उज्ज्वलतर उज्ज्वलतम होती है
महासंगठन की ज्वाला
प्रतिपल बढ़ती ही जाती है
चंडी के मुंडों की माला
यह नागपुर से लगी आग
ज्योतित भारत मां का सुहाग
उत्तर दक्षिण पूरब पश्चिम
दिश दिश गूंजा संगठन राग
केशव के जीवन का पराग
अंतस्थल की अवरुद्ध आग
भगवा ध्वज का संदेश त्याग
वन विजनकान्त नगरीय शान्त
पंजाब सिंधु संयुक्त प्रांत
केरल कर्नाटक और बिहार
कर पार चला संगठन राग
हिन्दू हिन्दू मिलते जाते
देखो हम बढ़ते ही जाते॥"

1980 में जनता पार्टी के टूट जाने के बाद अटल बिहारी वाजपेयी ने अपने सहयोगी नेताओं के साथ भारतीय जनता पार्टी की स्थापना की और वे पार्टी के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। 1996 के लोकसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़े दल के रूप में उभरी, तो अटलजी सर्वसम्मति से संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद अटलजी देश के प्रधानमंत्री बने। दुर्भाग्यवश यह सरकार 13 दिन तक ही चली। 1998 में भाजपा फिर दूसरी बार सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और अटल बिहारी वाजपेयी दूसरी बार देश के प्रधानमंत्री बने, लेकिन 13 महीने तक ही यह सरकार चल सकी। इस 13 महीने के छोटे से कार्यकाल में ही अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री रहते हुए दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया और पोखरण में परमाणु परीक्षण कर सम्पूर्ण विश्व को भारत की ताकत का एहसास कराया। अमेरिका और यूरोपीय संघ समेत कई देशों ने भारत पर कई तरह के प्रतिबंध लगा दिए। उसके बावजूद भारत अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में हर तरह की चुनौतियों से सफलतापूर्वक निबटने में सफल रहा। कारगिल युद्ध में जीत के बाद हुए 1999 के लोकसभा चुनाव में भाजपा फिर अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और उनके नेतृत्व में 13 दलों से गठबंधन करके राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के रूप में सरकार बनायी। अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार ने अपना पूरा पांच साल का कार्यकाल पूर्ण किया। इस कार्यकाल में देश के अन्दर प्रगति के अनेक आयाम छुए।

अटलजी की सरकार ने भारत के चारों कोनों को सड़क मार्ग से जोड़ने के लिए स्वर्णिम चतुर्भुज परियोजना की शुरुआत की और दिल्ली, कलकत्ता, चेन्नई व मुम्बई को राजमार्ग से जोड़ा गया। अटल जी को देश-विदेश में अब तक अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने 2015 में भारत के सर्वोच्च सम्मान 'भारत रत्न' से पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनके घर जाकर सम्मानित किया। अटल जी को देश-विदेश में अब तक अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। ■

कमल पुष्प

सेवा, समर्पण, त्याग, संघर्ष एवं बलिदान

जन्मदिन : 8 अप्रैल, 1923
सक्रिय वर्ष: 1951-1988
स्थान : राज्य/ जिला : बुढलाडा, पंजाब और चंडीगढ़

अमर शहीद बाबू हित अभिलाषी: निःस्वार्थ सेवा की कहानी

अमर शहीद बाबू हित अभिलाषी जी 16 वर्ष की आयु में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संपर्क में आए और 1945 में ओ.टी.सी प्रशिक्षण शिविर, खंडवा, मध्य प्रदेश में एक महीने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। बाद में स्नातक स्तर की पढ़ाई पूर्ण करने के बाद वह लोगों की सेवा करने के लिए पंजाब के मोगा से बठिंडा जिले के बुढलाडा चले गए। बहुत जल्द वे पूरे मालवा क्षेत्र और पेप्सू रियासतों के लोगों के लिए 'बाबूजी' बन गए।

वे लगातार 14 साल तक बुढलाडा नगरपालिका के लोकप्रिय अध्यक्ष रहे। उनके कार्यकाल के दौरान बुढलाडा नगरपालिका को निवासियों की सेवा करने में पूरे पंजाब में सर्वश्रेष्ठ माना जाता था। 1966 में उन्हें पंजाब में जनसंघ कैडर को संगठित करने और बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्होंने इसके लिए कई बार प्रदेश का दौरा किया और प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पद पर प्रोन्नत होने से पहले कई वर्षों उन्होंने महामंत्री सहित अन्य विभिन्न क्षमताओं में पार्टी की सेवा करते हुए पार्टी कैडर के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित किया और भाजपा के अस्तित्व में आने तक उन्होंने अपने दायित्व को निभाने का कार्य किया। वह पहली बार 1967 में पंजाब विधान परिषद् के लिए चुने गए और सदन की कई समितियों और उप-समितियों के सदस्य रहे।

> एक महान राजनेता होने के अलावा बाबूजी एक प्रसिद्ध शिक्षाविद, एक प्रतिष्ठित समाज सुधारक और सबसे बढ़कर मानवतावादी थे। शिक्षा उनकी रुचि का क्षेत्र था, वे सर्वहितकारी एजुकेशन सोसाइटी के संस्थापक सदस्य, देव समाज कॉलेज फॉर वूमेन, चंडीगढ़ के संस्थापक अध्यक्ष, नेहरू मेमोरियल कॉलेज, मनसा के संस्थापक अध्यक्ष और गुरु गोबिंद सिंह फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य थे

इस दौरान पार्टी ने उन्हें दो समाचार पत्रों—प्रदीप और जनप्रदीप के प्रकाशन का प्रभार सौंपा। 1975 में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लगाया और बड़ी संख्या में विपक्षी दल के नेताओं को जेल जाना पड़ा। उन दिनों लोकतंत्र के सेनानी बाबूजी को भी मीसा के तहत कैद में रखा गया। वह पंजाब की विभिन्न जेलों में 19 महीने तक कैद रहे। आपातकाल के बाद वह पंजाब विधानसभा के सदस्य के रूप में चुने गए। उन्होंने 1977 में बठिंडा निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और मंत्रिमंडल में भी शामिल हुए। 1988 में उन्हें पंजाब भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष के रूप में नेतृत्व करने की जिम्मेदारी दी गई थी। उस समय कांग्रेस की स्वार्थी और नासमझ नीतियों ने पंजाब को आतंकवाद के काले युग में धकेल दिया था। लोगों को एक साथ रखना और हिंदू-सिख एकता बनाए रखना आवश्यक हो गया। इसके लिए अभिलाषी जी आगे आए और शांति सुनिश्चित करने के लिए प्रदेश भर की यात्रा को जारी रखा। उन्हें लगातार धमकियां मिल रही थीं, लेकिन उन्होंने आतंकवाद एवं प्रदेश और देश में बेगुनाहों की हत्या के खिलाफ निडरता से बात की। नतीजतन, उन्हें अलगाववादियों और पाकिस्तानी एजेंटों के रास्ते में सबसे बड़ी बाधा के रूप में देखा गया, जिन्होंने उनकी हत्या करने का मन बना लिया था।

19 सितंबर, 1988 को सुबह लगभग 11.00 बजे जब वह चंडीगढ़ के सेक्टर 11 में अपने पार्टी कार्यालय से पंजाब राजभवन जा रहे थे, तो उसी समय उन पर आतंकवादियों ने घात लगाकर हमला किया और उनकी हत्या कर दी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक के रूप में प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्होंने अपनी अंतिम सांस तक लोगों की सेवा करते हुए अपने जीवन का बलिदान दिया। एक महान राजनेता होने के अलावा बाबूजी एक प्रसिद्ध शिक्षाविद, एक प्रतिष्ठित समाज सुधारक और सबसे बढ़कर मानवतावादी थे। शिक्षा उनकी रुचि का क्षेत्र था, वे सर्वहितकारी एजुकेशन सोसाइटी के संस्थापक सदस्य, देव समाज कॉलेज फॉर वूमेन, चंडीगढ़ के संस्थापक अध्यक्ष, नेहरू मेमोरियल कॉलेज, मनसा के संस्थापक अध्यक्ष और गुरु गोबिंद सिंह फाउंडेशन के संस्थापक सदस्य थे।

वह पंजाबी विश्वविद्यालय के निर्माण और गुरु नानक देव विश्वविद्यालय एवं पंजाब कृषि विश्वविद्यालय से भी जुड़े थे। शिक्षा उनका जुनून था और वह हर क्षण इसको देना चाहते थे। भारत माता को ऐसे सुयोग्य सपूतों की आवश्यकता है, जो अपने प्राण न्योछावर कर दें, पर अपने ध्येय के साथ समझौता न करे। ■

मोदी स्टोरी

नरेन्द्र मोदी: श्रेष्ठ रणनीतिकार

गुजरात में अपने शुरुआती दिनों में श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा तैयार की गई अनूठी चुनावी रणनीतियां वर्तमान जीत का आधार है। एक प्रचारक से लेकर 2001 में मुख्यमंत्री बनने तक और फिर भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उनकी रणनीतियों ने भाजपा को कई चुनावों में जीत की ओर अग्रसर किया है...

गुजरात विधानसभा चुनावों में एक और भव्य जीत के साथ भाजपा लगातार 7वीं बार प्रदेश में सरकार बनाने के लिए तैयार है। यह जीत प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी में लोगों के भरोसे और गुजरात के विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

लेकिन यह जीत गुजरात में अपने शुरुआती दिनों में श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा तैयार की गई अनूठी चुनावी रणनीतियों की भी जीत है। एक प्रचारक से लेकर 2001 में मुख्यमंत्री बनने तक और फिर भारत के प्रधानमंत्री के रूप में उनकी रणनीतियों ने भाजपा को कई चुनावों में जीत की ओर अग्रसर किया है।

श्री मोदी ने बूथ प्रबंधन को चुनाव प्रबंधन का पर्याय बना दिया। उन्होंने 'बूथ जीता, चुनाव जीता' शब्द का प्रयोग करते हुए इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक कार्यकर्ता को अपना बूथ जीतने पर ध्यान देना चाहिए।

ऐसे कई उदाहरण हैं जब श्री नरेन्द्र मोदी की रणनीतियों ने चुनाव परिणामों को पलट दिया। बूथ प्रबंधन को मजबूत करना उनकी सबसे महत्वपूर्ण रणनीतियों में से एक था।

श्री मोदी की बूथ प्रबंधन रणनीतियों ने देश भर के कई चुनावों में पार्टी के लिए अच्छा काम किया है। गुजरात भाजपा के नेता काकुलभाई पाठक याद करते हैं कि कैसे श्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रीय महामंत्री के रूप में गुजरात में एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए 'एक बूथ, दस यूथ' के नारे को लोकप्रिय बनाया। बैठक में ही उन्होंने बताया कि कैसे ये 10 युवा कार्यकर्ता मतदाताओं की मदद करेंगे, मतदाता सूची तैयार करेंगे और शेष मतदाताओं से मतदान करने का अनुरोध करेंगे।

चंडीगढ़ के भाजपा कार्यकर्ता राजकिशोर प्रजापति बताते हैं कि कैसे श्री मोदी ने बूथ प्रबंधन को चुनाव प्रबंधन का पर्याय बना दिया। उन्होंने 'बूथ जीता, चुनाव जीता' शब्द का प्रयोग करते हुए इस बात पर जोर दिया कि प्रत्येक कार्यकर्ता को अपना बूथ जीतने पर ध्यान देना चाहिए।

इसी तरह उन्होंने नारा दिया— 'हमारा बूथ, सबसे मजबूत।' चंडीगढ़ के भाजपा नेता विजय कालिया याद करते हैं कि श्री मोदी ने हर बूथ पर एक टीम बनाने पर जोर दिया। इस टीम के भीतर कार्यकर्ता मतदाताओं की मदद के लिए हों, एक अन्य कार्यकर्ता बूथ के बाहर पर्ची लेने के लिए बैठा हो। किसी अन्य कार्यकर्ता को मतदाता सूची पर नजर रखनी चाहिए और फिर ऐसे कार्यकर्ता होने चाहिए, जो बचे हुए मतदाताओं को अपने मताधिकार का प्रयोग करने के लिए राजी करें। ■

'मणिपुर बिल्कुल एक सुंदर माला की तरह है जहां कोई मिनी भारत देख सकता है'

जब हम प्रकृति, जानवरों और पौधों को अपने त्योहारों और उत्सवों का हिस्सा बनाते हैं, तो सह-अस्तित्व हमारे जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा बन जाता है

गत 30 नवंबर को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर के 'संगई महोत्सव' को वीडियो संदेश से संबोधित किया। राज्य में सबसे भव्य त्योहार के रूप में जाना जाने वाला मणिपुर संगई महोत्सव मणिपुर को विश्व स्तरीय पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने में मदद करता है। इस उत्सव का नाम राजकीय पशु 'संगई' के नाम पर रखा गया है। बारहसिंगे की तरह दिखाई देने वाला यह हिरण केवल मणिपुर में पाया जाता है।

उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने मणिपुर के लोगों को मणिपुर संगई महोत्सव के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। मणिपुर की प्रचुर प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और विविधता पर टिप्पणी करते हुए श्री मोदी ने कहा कि हर कोई कम से कम एक बार राज्य का दौरा करना चाहता है और उन्होंने मणिपुर को विभिन्न रत्नों से बनी एक सुंदर माला की उपमा दी।

श्री मोदी ने आगे कहा कि मणिपुर बिल्कुल एक सुंदर माला की तरह है, जहां राज्य में एक मिनी भारत देखा जा सकता है। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि भारत अपने अमृत काल में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। 'एकता के त्योहार' संगई महोत्सव की विषय वस्तु पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने टिप्पणी की कि इस उत्सव का सफल आयोजन आने वाले दिनों में राष्ट्र के लिए ऊर्जा और प्रेरणा स्रोत के रूप में कार्य करेगा।

'संगई महोत्सव' भारत की जैव विविधता का भी जश्न

श्री मोदी ने कहा कि संगई न केवल मणिपुर का राजकीय पशु है, बल्कि भारत की आस्था और विश्वास में भी इसका विशेष स्थान है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 'संगई महोत्सव' भारत की जैव विविधता का भी जश्न मनाता है।

उन्होंने आगे कहा कि यह प्रकृति के साथ भारत के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों का भी जश्न मनाता है। श्री मोदी ने यह भी बताया कि त्योहार एक स्थायी जीवन शैली के प्रति अपरिहार्य सामाजिक संवेदनशीलता को प्रेरित करता है। उन्होंने कहा कि जब हम प्रकृति, जानवरों और पौधों को अपने त्योहारों और समारोहों का हिस्सा बनाते हैं, तो सह-अस्तित्व हमारे जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा बन जाता है।

श्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त की कि संगई महोत्सव न केवल राज्य की राजधानी में बल्कि पूरे राज्य में आयोजित किया जा रहा है, जिससे 'एकता के त्योहार' की भावना का विस्तार हो रहा है। श्री मोदी ने बताया कि इस उत्सव के अलग-अलग मूड और रंगों की झलक नगालैंड की सीमा से लेकर म्यांमार की सीमा तक लगभग 14 स्थानों पर देखी जा सकती है।

श्री मोदी ने इस सराहनीय पहल की सराहना करते हुए कहा कि जब हम इस तरह के आयोजनों को ज्यादा से ज्यादा लोगों से जोड़ते हैं, तभी इसकी पूरी संभावना सामने आती है।

संबोधन का समापन करते हुए प्रधानमंत्री ने अपने देश के त्योहारों और मेलों की सदियों पुरानी परंपरा को छुआ और कहा कि यह न केवल हमारी संस्कृति को समृद्ध करते हैं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देते हैं।

उन्होंने कहा कि संगई महोत्सव जैसे आयोजन निवेशकों और उद्योगों के लिए भी एक प्रमुख आकर्षण हैं। श्री मोदी ने अंत में कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले समय में यह महोत्सव राज्य में उल्लास और विकास का सशक्त माध्यम बनेगा। ■

भारत मैन्यूफैक्चरिंग की दुनिया में लगातार आगे बढ़ रहा है: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 29 नवंबर को अप्रैल-अक्टूबर की अवधि में साल-दर-साल फोन के निर्यात के दोगुने से अधिक होने वाले पर प्रसन्नता व्यक्त की, क्योंकि मोबाइल फोन का निर्यात सात महीने के भीतर पांच बिलियन अमेरिकी डॉलर के आंकड़े को पार कर गया। यह पिछले साल इसी अवधि में भारत द्वारा अर्जित किए गए 2.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर से दोगुने से भी अधिक है। केन्द्रीय मंत्री श्री राजीव चंद्रशेखर के एक ट्वीट पर प्रधानमंत्री ने जवाब दिया, "भारत मैन्यूफैक्चरिंग की दुनिया में लगातार आगे बढ़ रहा है।" ■

यह सदन देश की महान लोकतांत्रिक विरासत का वाहक रहा है: नरेन्द्र मोदी

सदन में गंभीर लोकतांत्रिक चर्चा लोकतंत्र की जननी के रूप में हमारे गौरव को और मजबूती देगी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सात दिसंबर को संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत में राज्यसभा को संबोधित किया और उच्च सदन में उपराष्ट्रपति का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने संसद के सभी सदस्यों के साथ-साथ देश के सभी नागरिकों की ओर से भारत के उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ को बधाई देकर अपने संबोधन की शुरुआत की।

देश के उपराष्ट्रपति के प्रतिष्ठित पद पर प्रकाश डालते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह पद अपने आप में लाखों लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। राज्यसभा के सभापति को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि आज 'सशस्त्र सेना झंडा दिवस' है और सदन के सभी सदस्यों की ओर से सशस्त्र बलों को सलामी दी।

उपराष्ट्रपति के जन्मस्थान झुंझुनू का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने राष्ट्र की सेवा में अग्रणी भूमिका निभाने वाले झुंझुनू के कई परिवारों के योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने उपराष्ट्रपति के जवानों एवं किसानों के साथ घनिष्ठ संबंध पर प्रकाश डाला और कहा कि हमारे उपराष्ट्रपति एक किसान पुत्र हैं और उन्होंने एक सैनिक स्कूल में पढ़ाई की है। इस प्रकार, वह जवानों और किसानों के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़े हुए हैं।

श्री मोदी ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि संसद का सम्मानित उच्च सदन ऐसे समय में उपराष्ट्रपति का स्वागत कर रहा है, जब भारत दो महत्वपूर्ण घटनाओं का साक्षी बना है। उन्होंने कहा कि भारत ने आजादी के अमृत काल में प्रवेश किया है और जी-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी और अध्यक्षता करने का प्रतिष्ठित अवसर भी प्राप्त किया है।

> भारत आने वाले दिनों में नए भारत के लिए विकास के एक नए युग की शुरुआत करने के अलावा दुनिया की दिशा निर्धारित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा

श्री मोदी ने आगे कहा कि भारत आने वाले दिनों में नए भारत के लिए विकास के एक नए युग की शुरुआत करने के अलावा दुनिया की दिशा निर्धारित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

उच्च सदन के कंधों पर निहित जिम्मेदारी आम आदमी की चिंताओं से जुड़ी है

इस तथ्य को रेखांकित करते हुए कि आज राज्यसभा के सभापति के रूप में उपराष्ट्रपति के कार्यकाल की औपचारिक शुरुआत हुई है, प्रधानमंत्री ने कहा कि उच्च सदन के कंधों पर निहित जिम्मेदारी आम आदमी की चिंताओं से जुड़ी है।

श्री मोदी ने यह भी इंगित किया कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के रूप में भारत का प्रतिष्ठित जनजातीय समाज इस महत्वपूर्ण मोड़ पर देश का मार्गदर्शन कर रहा है। उन्होंने इस तथ्य पर भी प्रकाश डाला कि पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद, जो एक बहुत ही हाशिए के समाज से उठे, देश के सर्वोच्च पद पर पहुंचे।

श्री मोदी ने कहा कि आपका जीवन इस बात का प्रमाण है कि कोई भी सिर्फ सुविधा-संपन्न संसाधनों से ही नहीं, बल्कि अभ्यास और सिद्धियों से कुछ भी हासिल कर सकता है। उन्होंने आगे कहा कि आपने विधायक से लेकर सांसद, केन्द्रीय मंत्री और राज्यपाल की भूमिका का भी निर्वाह किया है। श्री मोदी ने आगे कहा कि इन सभी भूमिकाओं के बीच साझा कारक देश के विकास और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति आपकी आस्था है।

प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति के चुनाव में उपराष्ट्रपति को मिले 75 प्रतिशत मत को भी याद किया, जो उनके प्रति सभी की आत्मीयता का प्रमाण है। इस सदन की गरिमा को बनाए रखने और उसे बढ़ाने के लिए इसके सदस्यों पर निहित जिम्मेदारियों का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह सदन देश की महान लोकतांत्रिक विरासत का वाहक रहा है और यही इसकी ताकत भी रही है। उन्होंने कहा कि सदन में गंभीर लोकतांत्रिक चर्चा लोकतंत्र की जननी के रूप में हमारे गौरव को और मजबूती देगी।

अपने संबोधन का समापन करते हुए श्री मोदी ने पिछले सत्र को याद किया, जहां पूर्व उपराष्ट्रपति एवं पूर्व सभापति के मुहावरे और उनकी तुकबंदियां सदस्यों के लिए खुशी एवं हंसी का स्रोत होती थीं। प्रधानमंत्री ने अंत में कहा कि मुझे विश्वास है कि आपकी हाजिरजवाबी प्रकृति उस कमी को कभी महसूस नहीं होने देगी और आप सदन को उसका लाभ देते रहेंगे। ■

संविधान ने राष्ट्र की समस्त सांस्कृतिक और नैतिक भावनाओं को अंगीकार कर लिया है: नरेन्द्र मोदी

ई-कोर्ट परियोजना के तहत अनेक नई पहलों का शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 26 नवंबर को सर्वोच्च न्यायालय में संविधान दिवस समारोह में सम्मिलित हुए और उपस्थित जनों को सम्बोधित किया। वर्ष 1949 में संविधान सभा द्वारा भारतीय संविधान को अंगीकार किये जाने के उपलक्ष्य में 2015 से संविधान दिवस 26 नवंबर को मनाया जाता है। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान ई-कोर्ट परियोजना के तहत अनेक नई पहलों का शुभारंभ किया, जिसमें वर्चुअल जस्टिस क्लॉक, जस्टिस मोबाइल एप्प 2.0, डिजिटल कोर्ट और एस3वीएएएस वेबसाइट शामिल हैं।

संविधान दिवस पर बधाई देते हुए श्री मोदी ने स्मरण किया कि 1949 में इसी दिन स्वतंत्र भारत ने अपने नये भविष्य की आधारशिला रखी थी। उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव के क्रम में इस वर्ष संविधान दिवस मनाये जाने की महत्ता का भी उल्लेख किया। उन्होंने बाबासाहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और संविधान सभा के समस्त सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री ने पिछले 70 दशकों में विकास यात्रा तथा भारतीय संविधान के विस्तार में विधायिका, न्यायपालिका और कार्यपालिका की अनेक हस्तियों के योगदानों को रेखांकित किया तथा इस विशेष अवसर पर पूरे राष्ट्र की तरफ से उन सबको धन्यवाद ज्ञापित किया।

श्री मोदी ने उस 26 नवंबर को याद किया, जिसे भारत के इतिहास में काला दिवस के रूप में जाना जाता है, क्योंकि उस दिन भारत पर इतिहास का सबसे बड़ा आतंकी हमला हुआ था, जिसे मानवता के दुश्मनों ने अंजाम दिया था। श्री मोदी ने कायरतापूर्ण मुम्बई आंतकी हमलों में अपने प्राण खो देने वाले सभी लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।

भारत पूरी शक्ति से आगे बढ़ रहा है

प्रधानमंत्री ने स्मरण कराया कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में भारत की विकसित होती अर्थव्यवस्था और उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि के प्रकाश में पूरा विश्व उसे आशा के साथ देख रहा है। उन्होंने कहा कि अपनी स्थिरता के बारे में शुरुआती संशयों को दूर करते हुए भारत पूरी शक्ति से आगे बढ़ रहा है तथा अपनी विविधता पर उसे अत्यंत गर्व है। उन्होंने इस सफलता के लिए संविधान को श्रेय दिया।

श्री मोदी ने इस क्रम को आगे बढ़ाते हुए प्रस्तावना के पहले तीन शब्दों 'वी द् पीपुल' का उल्लेख किया और कहा कि 'वी द् पीपुल' एक आह्वान है, एक प्रतिज्ञा है, एक विश्वास है। संविधान की यह भावना, उस भारत की मूल भावना है, जो दुनिया में लोकतंत्र की जननी रहा है। उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में संविधान ने राष्ट्र की समस्त सांस्कृतिक और नैतिक भावनाओं को अंगीकार कर लिया है।

देश संविधान के आदर्शों को मजबूत बना रहा है

प्रधानमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त की कि लोकतंत्र की जननी होने के नाते देश संविधान के आदर्शों को मजबूत बना रहा है तथा जन-अनुकूल नीतियां देश के निर्धनों व महिलाओं को अधिकार सम्पन्न कर रही हैं। उन्होंने बताया कि आम नागरिकों के लिए कानूनों को सरल और सुगम बनाया जा रहा है तथा न्यायपालिका समय पर न्याय सुनिश्चित करने के लिए अनेक पहलें कर रही है।

स्वतंत्रता दिवस के अपने व्याख्यान में कर्तव्यों पर जोर दिये जाने का उल्लेख करते हुए श्री मोदी ने कहा कि यह संविधान की भावना का प्रकटीकरण है। अमृतकाल को 'कर्तव्यकाल' के रूप में उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि आजादी के अमृत काल में जब देश अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे कर रहा है और हम विकास के अगले 25 वर्षों की यात्रा पर निकल रहे हैं, तब राष्ट्र के प्रति कर्तव्य का मंत्र ही सर्वोपरि है।

श्री मोदी ने कहा कि आजादी का अमृत काल देश के प्रति कर्तव्य का काल है। चाहे वह लोग हों या संस्थायें, हमारे दायित्व ही हमारी पहली प्राथमिकता हैं। उन्होंने कहा कि अपने 'कर्तव्य पथ' पर चलते हुए ही हम देश को विकास की नई ऊंचाई पर ले जा सकते हैं।

श्री मोदी ने बताया कि सप्ताह भर में भारत को जी-20 का अध्यक्ष पद मिल रहा

है। उन्होंने जोर देकर कहा कि हम भारत की प्रतिष्ठा और सम्मान को एक टीम के रूप में विश्व में प्रोत्साहित करें। उन्होंने कहा कि यह हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। श्री मोदी ने कहा कि लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत की अस्मिता को और मजबूत करने की आवश्यकता है।

युवा-केंद्रित भावना

युवा-केंद्रित भावना को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि संविधान अपने खुलेपन, दूरंदेशी और अपने आधुनिक दृष्टिकोण के लिए जाना जाता है। उन्होंने भारत की विकास यात्रा के सभी पक्षों में युवा शक्ति के योगदान व उसकी भूमिका को स्वीकार किया।

युवाओं में समानता और सशक्तीकरण जैसे विषयों पर बेहतर समझ पैदा करने के लिए संविधान के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर बल देते हुए श्री मोदी ने उस समय का स्मरण किया, जब हमारे संविधान का मसौदा लिखा गया था तथा देश के सामने कैसी परिस्थितियां थीं।

उन्होंने कहा कि उस काल में संविधान सभा की बहस में क्या होता था, हमारे युवाओं को इन सभी विषयों के प्रति जागरूक होना चाहिये। उन्होंने आगे कहा कि इससे संविधान के प्रति उनकी रुचि बढ़ेगी। प्रधानमंत्री ने संविधान सभा की 15 महिला सदस्यों का उदाहरण दिया और कहा कि दक्षिणायणी वेलायुधन जैसी महिलायें उनमें शामिल थीं, जो वंचित समाज से निकलकर वहां तक पहुंची थीं।

श्री मोदी ने खेद व्यक्त किया कि दक्षिणायणी वेलायुधन जैसी महिलाओं के योगदानों पर शायद ही कभी चर्चा की जाती है। उन्होंने बताया कि दक्षिणायणी वेलायुधन ने दलितों और श्रमिकों से जुड़े कई मुद्दों पर महत्वपूर्ण विचार दिये हैं। श्री मोदी ने दुर्गाबाई देशमुख, हंसा मेहता और राजकुमारी अमृत कौर तथा अन्य महिला सदस्यों के उदाहरण दिये, जिन्होंने महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर महत्त्वपूर्ण योगदान किये हैं।

उन्होंने कहा कि जब हमारे युवाओं को इन तथ्यों का पता चलेगा, तो उन्हें अपने सवालों के जवाब मिल जायेंगे। उन्होंने आगे कहा कि इससे संविधान के प्रति निष्ठा बढ़ेगी, जिससे हमारा लोकतंत्र, हमारा संविधान और देश का भविष्य मजबूत होगा।

प्रधानमंत्री ने अपने वक्तव्य का समापन करते हुए कहा कि आजादी के अमृत काल में यह देश की आवश्यकता है। मैं आशा करता हूं कि यह संविधान दिवस इस दिशा में हमारे संकल्पों को और ऊर्जावान बनायेगा।

इस अवसर पर भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ. डी.वाई. चंद्रचूड़, केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री श्री किरेन रिजिजू, सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय किशन कॉल और न्यायमूर्ति एस. अब्दुल नजीर, केंद्रीय विधि और न्याय राज्यमंत्री प्रो. एस.पी. बघेल, भारत के अटॉर्नी जनरल श्री आर. वेंकटारमानी, भारत के सॉलीसिटर जनरल श्री तुषार मेहता तथा सुप्रीम कोर्ट बार एसोसियेशन के अध्यक्ष श्री विकास सिंह उपस्थित थे। ■

अक्टूबर में 175 करोड़ से अधिक 'आधार प्रमाणीकरण' आधारित किए गए लेन-देन

केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स एवं आईटी मंत्रालय द्वारा 29 नवंबर को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार पूरे भारत के लोगों द्वारा आधार को अपनाने और इसके उपयोग में बढ़ोतरी जारी है। यह इस बात को दिखाता है कि यह कैसे निवासियों के जीवन को प्रभावित कर रहा है और जीवन को सुगम बना रहा है।

मंत्रालय के अनुसार अक्टूबर, 2022 में आधार के माध्यम से 175.44 करोड़ से अधिक प्रमाणीकरण लेन-देन किए गए। इनमें से अधिकांश मासिक लेन-देन फिंगरप्रिंट बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण का उपयोग करके किए गए थे। इसके बाद जनसांख्यिकीय (डेमोग्राफिक) और ओटीपी प्रमाणीकरण के जरिए किया गया।

अक्टूबर के अंत तक कुल मिलाकर लगभग 8426 करोड़ प्रमाणीकरण लेन-देन 12 अंकों की डिजिटल आईडी का उपयोग करके पूरा किया गया। यह इसका संकेत है कि आधार कैसे सुशासन और कल्याणकारी वितरण में तेजी से अपनी एक भूमिका निभा रहा है।

चेहरा प्रमाणीकरण आधारित लेन-देन की संख्या सितंबर, 2022 के 4.67 लाख से बढ़कर अक्टूबर, 2022 में 37 लाख से अधिक हो गई। चेहरा प्रमाणीकरण पेंशनभोगियों को बैंक या सामान्य सेवा केंद्रों पर गए बिना अपने मोबाइल फोन का उपयोग करके घर पर डिजिटल जीवन प्रमाणपत्र बनाने की सुविधा प्रदान कर रहा है। इस प्रकार वरिष्ठ नागरिकों के जीवन को सुगम बनाने में सहायता मिल रही है।

इसी तरह, आधार का उपयोग करके केवल अक्टूबर में 23.56 करोड़ ई-केवाईसी लेन-देन निष्पादित किए गए। अब अक्टूबर, 2022 तक आधार के जरिए ई-केवाईसी लेनदेन की कुल संख्या 1321.49 करोड़ हो गई।

केवल अक्टूबर में ही पूरे भारत में 23.64 करोड़ एईपीएस आधारित लेन-देन किए गए। यह आंकड़ा सितंबर की तुलना में 12.4 फीसदी अधिक है। अक्टूबर, 2022 के अंत तक एईपीएस और माइक्रो-एटीएम के नेटवर्क के माध्यम से अब तक सुदूर क्षेत्र में 1573.48 करोड़ बैंकिंग लेन-देन संभव हुआ है। अब तक देश में केंद्र और राज्यों द्वारा संचालित 1100 से अधिक कल्याणकारी योजनाओं को आधार का उपयोग करने को लेकर अधिसूचित किया गया है। डिजिटल आईडी के रूप में आधार केंद्र और राज्यों में विभिन्न मंत्रालयों व विभागों को लक्षित लाभार्थियों तक कल्याणकारी सेवाओं की दक्षता, पारदर्शिता और वितरण में सुधार करने के लिए सहायता कर रहा है। ■

जी-20 की अध्यक्षता हमारे लिए एक बड़ा अवसर: नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 27 नवंबर को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 95वीं कड़ी में कहा कि जी-20 की अध्यक्षता हमारे लिए एक बड़ा अवसर बनकर आई है। हमें इस मौके का पूरा उपयोग करते हुए विश्व कल्याण पर फोकस करना है। चाहे शांति हो या एकता, पर्यावरण को लेकर संवेदनशीलता की बात हो या फिर सतत विकास की, भारत के पास इनसे जुड़ी चुनौतियों का समाधान है। हमने 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की जो थीम दी है, उससे 'वसुधैव कुटुम्बकम' के लिए हमारी प्रतिबद्धता जाहिर होती है

'मन की बात' की शुरुआत में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि यह कार्यक्रम 95वां एपिसोड है। हम बहुत तेजी से 'मन की बात' के शतक की तरफ़ बढ़ रहे हैं। ये कार्यक्रम मेरे लिए 130 करोड़ देशवासियों से जुड़ने का एक और माध्यम है। हर एपिसोड से पहले गांव-शहरों से आए ढ़ेर सारे पत्रों को पढ़ना, बच्चों से लेकर बुजुर्गों के ऑडियो मैसेज को सुनना ये मेरे लिए एक आध्यात्मिक अनुभव की तरह होता है।

भारत की जी-20 की अध्यक्षता पर चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि जी-20 की वैश्विक आबादी में दो-तिहाई, वैश्विक व्यापार में तीन-चौथाई और वर्ल्ड जीडीपी में 85% भागीदारी है। आप कल्पना कर सकते हैं— भारत अब से 3 दिन बाद यानी 1 दिसंबर से इतने बड़े समूह की, इतने सामर्थ्यवान समूह की अध्यक्षता करने जा रहा है। भारत के लिए, हर भारतवासी के लिए ये कितना बड़ा अवसर आया है। ये, इसलिए भी और विशेष हो जाता है क्योंकि ये जिम्मेदारी भारत को आजादी के अमृतकाल में मिली है।

> **जी-20 की अध्यक्षता पर चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि जी-20 की वैश्विक आबादी में दो-तिहाई, वैश्विक व्यापार में तीन-चौथाई और वर्ल्ड जीडीपी में 85% भागीदारी है। आप कल्पना कर सकते हैं— भारत अब से 3 दिन बाद यानी 1 दिसंबर से इतने बड़े समूह की, इतने सामर्थ्यवान समूह की अध्यक्षता करने जा रहा है**

उन्होंने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता हमारे लिए एक बड़ा अवसर बनकर आई है। हमें इस मौके का पूरा उपयोग करते हुए विश्व कल्याण पर फोकस करना है। चाहे शांति हो या एकता, पर्यावरण को लेकर संवेदनशीलता की बात हो या फिर सतत विकास की, भारत के पास इनसे जुड़ी चुनौतियों का समाधान है। हमने 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की जो थीम दी है, उससे 'वसुधैव कुटुम्बकम' के लिए हमारी प्रतिबद्धता जाहिर होती है।

श्री मोदी ने कहा कि आने वाले दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में जी-20 से जुड़े अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से लोगों को आपके राज्यों में आने का मौका मिलेगा। मुझे भरोसा है कि आप अपने यहां की संस्कृति के विविध और विशिष्ट रंगों को दुनिया के सामने लाएंगे और आपको ये भी याद रखना है कि जी-20 में आने वाले लोग भले ही अभी एक डेलिगेट के रूप में आयें, लेकिन भविष्य के पर्यटक भी हैं।

स्पेस सेक्टर में एक नया इतिहास

स्पेस सेक्टर में भारत की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि 18 नवंबर को पूरे देश ने स्पेस सेक्टर में एक नया इतिहास बनते देखा। इस दिन भारत ने अपने पहले ऐसे राकेट को अंतरिक्ष में भेजा, जिसे भारत के निजी क्षेत्र ने डिज़ाइन और तैयार किया था। इस राकेट का नाम है– 'विक्रम–एस'। श्रीहरिकोटा से स्वदेशी स्पेस स्टार्ट-अप के इस पहले रॉकेट ने जैसे ही ऐतिहासिक उड़ान भरी, हर भारतीय का सिर गर्व से ऊंचा हो गया।

श्री मोदी ने कहा कि 'विक्रम-एस' राकेट कई सारी खूबियों से लैस है। दूसरे राकेट की तुलना में यह हल्का भी है और सस्ता भी है। इसकी लागत अंतरिक्ष अभियान से जुड़े दूसरे देशों की लागत से भी काफ़ी कम है। कम कीमत में विश्वस्तरीय अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में अब तो ये भारत की पहचान बन चुकी है। इस राकेट को बनाने में

एक और आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल हुआ है। आप ये जानकर हैरान रह जाएंगे कि इस राकेट के कुछ जरुरी हिस्से 3 डी प्रिंटिग के जरिए बनाए गए हैं। सही में, 'विक्रम-एस' के लांच मिशन को जो 'प्रारम्भ' नाम दिया गया है, वो बिल्कुल सही बैठता है।

उन्होंने कहा कि ये भारत में प्राइवेट स्पेस सेक्टर के लिए एक नए युग के उदय का प्रतीक है। ये देश में आत्मविश्वास से भरे एक नए युग का आरंभ है।

श्री मोदी ने कहा कि भारत स्पेस सेक्टर में अपनी सफलता अपने पड़ोसी देशों से भी साझा कर रहा है। कल ही भारत ने एक उपग्रह प्रक्षेपित किया, जिसे भारत और भूटान ने मिलकर बनाया है। ये उपग्रह बहुत ही अच्छे रेज़लूशन की तस्वीरें भेजेगा, जिससे भूटान को अपने प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन में मदद मिलेगी। इस उपग्रह का प्रक्षेपण भारत-भूटान के मजबूत सबंधों का प्रतिबिंब है।

उन्होंने कहा कि आपने गौर किया होगा पिछले कुछ 'मन की बात' में हमने स्पेस, तकनीक, इनोवेशन पर खूब बात की है। इसकी दो खास वजह है, एक तो यह हमारे युवा इस क्षेत्र में बहुत ही शानदार काम कर रहें हैं। वे बड़ा सोच रहे हैं और बड़ी उपलब्धि प्राप्त कर रहे हैं। अब वे छोटी-छोटी उपलब्धियों से संतुष्ट होने वाले नहीं हैं। दूसरी यह कि इनोवेशन और वैल्यू क्रिएशन के इस रोमांचक सफर में वे अपने बाकी युवा साथियों और स्टार्ट-अप को भी प्रोत्साहित कर रहें हैं।

ड्रोन तकनीक

ड्रोन तकनीक के फायदों पर चर्चा करते हुए श्री मोदी ने कहा कि जब हम तकनीक से जुड़े नवाचारों की बात कर रहें हैं, तो ड्रोन को कैसे भूल सकते हैं? ड्रोन के क्षेत्र में भी भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। कुछ दिनों पहले हमने देखा कि कैसे हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में ड्रोन के जरिए सेब ट्रांसपोर्ट किये गए।

उन्होंने कहा कि किन्नौर, हिमाचल का दूर-सुदूर जिला है और वहां इस मौसम में भारी बर्फ रहा करती है। इतनी बर्फ़बारी में किन्नौर का हफ़्तों तक राज्य के बाकी हिस्से से संपर्क बहुत मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वहां से सेब का परिवहन भी उतना ही कठिन होता है। अब ड्रोन तकनीक से हिमाचल के स्वादिष्ट किन्नौरी सेब लोगों तक और जल्दी पहुंचने लगेंगे। इससे हमारे किसान भाई-बहनों का खर्च कम होगा, सेब समय पर मंडी पहुंच पायेगा, सेब की बर्बादी कम होगी।

श्री मोदी ने कहा कि आज हमारे देशवासी अपने नवाचारों से उन चीजों को भी संभव बना रहे हैं, जिसकी पहले कल्पना तक नहीं की जा सकती थी। इसे देखकर किसे ख़ुशी नहीं होगी? हाल के वर्षों में हमारे देश ने उपलब्धियों का एक लम्बा सफ़र तय किया है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम भारतीय और विशेषकर हमारी युवा-पीढ़ी अब रुकने वाली नहीं है।

दुनियाभर में भारतीय संस्कृति और संगीत का क्रेज

दुनियाभर में भारतीय संस्कृति और संगीत के बढ़ते क्रेज का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कुछ सप्ताह पहले एक और खबर आई थी जो हमें गर्व से भरने वाली है। आपको जानकर अच्छा लगेगा कि बीते 8 वर्षों में भारत से संगीत वाद्ययंत्रों का निर्यात साढ़े तीन गुना बढ़ गया है। इलेक्ट्रिकल संगीत वाद्ययंत्रों की बात करें तो इनका निर्यात 60 गुना बढ़ा है। इससे पता चलता है कि भारतीय संस्कृति और संगीत का क्रेज दुनियाभर में बढ़ रहा है।

श्री मोदी ने कहा कि भारतीय संगीत वाद्ययंत्रों के सबसे बड़े खरीदार संयुक्त राज्य अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, जापान और ब्रिटेन जैसे विकसित देश हैं। हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है कि हमारे देश में संगीत, नृत्य और कला की इतनी समृद्ध विरासत है।

उन्होंने कहा कि महान मनीषी कवि भर्तृहरि को हम सब उनके द्वारा रचित 'नीति शतक' के लिए जानते हैं। एक श्लोक में वे कहते हैं कि कला, संगीत और साहित्य से हमारा लगाव ही मानवता की असली पहचान है। वास्तव में, हमारी संस्कृति इसे मानवता से भी ऊपर देवत्व तक ले जाती है। वेदों में सामवेद को तो हमारे विविध संगीतों का स्त्रोत कहा गया है। मां सरस्वती की वीणा हो, भगवान श्रीकृष्ण की बांसुरी हो या फिर भोलेनाथ का डमरू हमारे देवी-देवता भी संगीत से अलग नहीं है।

> हम भारतीय हर चीज़ में संगीत तलाश ही लेते हैं। चाहे वह नदी की कलकल हो, बारिश की बूंदें हों, पक्षियों का कलरव हो या फिर हवा का गूंजता स्वर हमारी सभ्यता में संगीत हर तरफ समाया हुआ है। यह संगीत न सिर्फ शरीर को सुकून देता है, बल्कि मन को भी आनंदित करता है

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम भारतीय हर चीज़ में संगीत तलाश ही लेते हैं। चाहे वह नदी की कलकल हो, बारिश की बूंदें हों, पक्षियों का कलरव हो या फिर हवा का गूंजता स्वर हमारी सभ्यता में संगीत हर तरफ समाया हुआ है। यह संगीत न सिर्फ शरीर को सुकून देता है, बल्कि मन को भी आनंदित करता है।

उन्होंने कहा कि संगीत हमारे समाज को भी जोड़ता है। यदि भांगड़ा और लावणी में जोश और आनन्द का भाव है, तो रविन्द्र संगीत हमारी आत्मा को आह्लादित कर देता है। देशभर के आदिवासियों की अलग-अलग तरह की संगीत परम्पराएं हैं। ये हमें आपस में मिलजुल कर और प्रकृति के साथ रहने की प्रेरणा देती है।

श्री मोदी ने कहा कि संगीत की हमारी विधाओं ने न केवल हमारी संस्कृति को समृद्ध किया है, बल्कि दुनियाभर के संगीत पर अपनी अमिट छाप भी छोड़ी है। भारतीय संगीत की ख्याति विश्व के कोने-कोने में फ़ैल चुकी है। ■

भाजपा का मत प्रतिशत 3 फीसदी बढ़कर 39.09 प्रतिशत हुआ

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) चुनावों के परिणाम सात दिसंबर, 2022 को घोषित किए गए। 250 वार्डों के लिए चुनाव 04 दिसंबर को मतदान हुआ था, जिसमें केवल 50 प्रतिशत से कुछ अधिक मतदान हुआ था। चुनाव को मोटे तौर पर भाजपा, आप और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबले के तौर पर देखा जा रहा था। लेकिन चुनाव परिणाम आते-आते स्पष्ट हो गया कि यहां मुकाबला केवल दो दलों के बीच ही था और कांग्रेस का निराशाजनक प्रदर्शन इन चुनावों में भी देखने को मिला।

परिणाम घोषित होने के बाद दिल्ली भाजपा अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा है कि दिल्ली की जनता ने हमें लगभग 40 प्रतिशत मत और 104 वार्ड पर विजयी बनाकर मजबूत विपक्ष की जिम्मेदारी दी है। हम रचनात्मक रूप से

आम जनता के मुद्दों को उठाते रहेंगे।

एमसीडी चुनाव परिणामों के प्रमुख बिंदु

- भाजपा ने 104 वार्ड जीते, वहीं आम आदमी पार्टी ने 250 में से 134 वार्ड जीते।
- कांग्रेस ने 2017 के निकाय चुनावों में पार्टी द्वारा जीते गए 31 वार्डों में से केवल नौ वार्डों में जीत हासिल की।
- 2017 में दिल्ली के पिछले निकाय चुनावों की तुलना में भाजपा ने अपने वोट शेयर में तीन प्रतिशत का इजाफा किया है, जो बढ़कर 39.09 प्रतिशत हो गया है।
- दिल्ली सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन के निर्वाचन क्षेत्र के तीनों वार्डों में आम आदमी पार्टी को हार का सामना करना पड़ा और भाजपा को यहां पर जीत मिली।
- आम आदमी पार्टी के मंत्री मनीष सिसोदिया के गढ़ में भाजपा ने 4 में से 3 वार्डों पर जीत हासिल की है।
- भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाली दिल्ली की तीन पूर्व महिला मेयर जीतीं।
- जीतने वाली तीनों निर्दलीय उम्मीदवार महिलाएं हैं। ■

कमल संदेश के आजीवन सदस्य बनें

आज ही लीजिए कमल संदेश की सदस्यता और दीजिए राष्ट्रीय विचार के संवर्धन में अपना योगदान!

सदस्यता प्रपत्र

नाम : .....

पूरा पता : .....

.....

..... पिन : .....

दूरभाष : ..... मोबाइल : (1)..... (2).....

ईमेल : .....

सदस्यता						
	एक वर्ष	₹350/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी/अंग्रेजी)	₹3000/-	☐
	तीन वर्ष	₹1000/-	☐	आजीवन सदस्यता (हिन्दी+अंग्रेजी)	₹5000/-	☐

(भुगतान विवरण)

चेक/ड्राफ्ट क्र. :..... दिनांक :..... बैंक : .....

नोट : डीडी / चेक '**कमल संदेश**' के नाम देय होगा।
मनी आर्डर और नकद पूरे विवरण के साथ स्वीकार किए जाएंगे।

(हस्ताक्षर)

कमल संदेश

अपना डीडी/चेक निम्न पते पर भेजें

डॉ. मुकर्जी स्मृति न्यास, पीपी-66, सुब्रमण्यम भारती मार्ग, नई दिल्ली-110003

फोन: 011-23381428 फैक्स: 011-23387887 ईमेल: kamalsandesh@yahoo.co.in

कमल संदेश: राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

दिल्ली में 09 दिसंबर, 2022 को भारत की जी20 अध्यक्षता के पहलुओं पर चर्चा करने के लिए राज्यपालों, मुख्यमंत्रियों और उपराज्यपालों की बैठक की अध्यक्षता करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 05 दिसंबर, 2022 को जी20 सर्वदलीय बैठक के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 22 नवंबर, 2022 को 'रोजगार मेले' को संबोधित करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

नई दिल्ली में 25 नवंबर, 2022 को लचित बोरफुकन की 400वीं जयंती के समापन समारोह के दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

सर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली में 26 नवंबर, 2022 को संविधान दिवस समारोह पर ई-कोर्ट परियोजना के तहत विभिन्न पहलों की शुरुआत करते प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी

कमल संदेश
अब इंटरनेट पर भी उपलब्ध
लॉग इन करें:
www.kamalsandesh.org
राष्ट्रीय विचार की प्रतिनिधि पाक्षिक पत्रिका

@Kamal.Sandesh
@KamalSandesh
kamal.sandesh
KamalSandeshLive

प्रेषण तिथि: (i) 1-2 चालू माह (ii) 16-17 चालू माह
डाकघर: लोदी रोड एचओ., नई दिल्ली "रजिस्टर्ड"
36 पृष्ठ कवर सहित
आर.एन.आई. DELHIN/2006/16953
डी.एल. (एस)-17/3264/2021-23
Licence to Post without Prepayment
Licence No. U(S)-41/2021-23

आवरण: अजय कुमार सिंह